श्रावण कृष्ण पक्ष-6, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 30 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
04 अगस्त 2026 मंगलवार

आज का मौसम
30.3 अधिकतम
24.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

दो उपचुनाव नहीं, 2028 की दस्तक... क्या भाजपा समय रहते चेतावनी पढ़ेगी?

मध्यप्रदेश में विजयपुर और दतिया के उपचुनावों के परिणाम भारतीय जनता पार्टी के लिए केवल दो सीटों की हार नहीं हैं। यदि इन्हें केवल स्थानीय परिस्थितियों या उम्मीदवार चयन की भूल मानकर भुला दिया गया, तो यह राजनीतिक भूल भविष्य में कहीं अधिक महंगी पड़ सकती है। कई बार इतिहास बड़े जनादेश की पटकथा छोटे उपचुनावों से ही लिखना शुरू करता है।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

विजयपुर में मंत्री रहते हुए रामनिवास रावत का चयन और दतिया में प्रदेश के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल डॉ. नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटने का निर्णय स्वयं भाजपा नेतृत्व का था। इसलिए इन परिणामों की राजनीतिक जिम्मेदारी भी उसी अनुपात में तय होगी। प्रदेश से लेकर दिल्ली तक संगठन और सरकार की पूरी ताकत झोंकने के बावजूद दोनों सीटें नहीं बच सकीं। यह हार सामान्य नहीं है।

अगले वर्ष नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव हैं। उसके बाद 2028 का विधानसभा चुनाव और फिर लोकसभा चुनाव। ऐसे में इन दोनों उपचुनावों को केवल चुनावी आंकड़ों की दृष्टि से देखना वास्तविक राजनीतिक संदेश की अनदेखी होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का यह कहना अपनी जगह उचित हो सकता है कि दतिया में पिछले चुनाव की तुलना में हार का अंतर 1700 वोट कम हुआ है, भाजपा ने बुधनी और अमरवाड़ा जीता था और 2024 में प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटें जीतकर इतिहास रचा था। लेकिन लोकतंत्र में मतदाता अतीत के सम्मान पर नहीं, वर्तमान के अनुभव पर वोट देता है। प्रश्न यह है कि क्या पुरानी सफलताओं के सहारे भविष्य की राजनीतिक इमारत खड़ी की जा सकती है?

यही वह बिंदु है जहां भाजपा को ठहरकर स्वयं से सबसे कठिन प्रश्न पूछने होंगे...

डॉ. नरोत्तम मिश्रा की चुनाव परिणाम के बाद की प्रतिक्रिया भी साधारण राजनीतिक बयान नहीं थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी लोकसभा या राज्यसभा की आकांक्षा नहीं रखी, स्वयं को केवल विधानसभा तक सीमित रखा और अब यदि उत्तर प्रदेश, बिहार या पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में काम करने का अवसर मिलता रहे तो वही पर्याप्त है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी ने उन्हें तीस वर्ष विधायक और पंद्रह वर्ष मंत्री बनाया, इससे अधिक कोई अपेक्षा नहीं। राजनीति में कई बार सबसे महत्वपूर्ण बातें वे होती हैं जो शब्दों के बीच छिपी होती हैं। अनुभवी नेतृत्व संकेतों में बोलता है और अनुभवी संगठन संकेतों को समझता भी है। यदि इन संकेतों को केवल औपचारिक प्रतिक्रिया मान लिया गया तो यह भी एक भूल होगी।

पिछले कुछ महीनों में मध्यप्रदेश के अनेक जिलों की यात्राओं और आम नागरिकों से लगातार हुई बातचीत के आधार पर मेरा एक निष्कर्ष है, जिसे भाजपा के रणनीतिकारों को गंभीरता से लेना चाहिए। प्रदेश में राजनीतिक मुकाबला अब केवल भाजपा बनाम कांग्रेस नहीं रह गया है। धीरे-धीरे यह 'जनता बनाम सरकार' के मनोविज्ञान में बदलता दिखाई दे रहा है। किसी भी सत्तारूढ़ दल के लिए इससे बड़ा खतरे का संकेत दूसरा नहीं हो सकता। ऐसी ही भूल बीजेपी से 2018 के मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के वक़्त भी हुआ था , जब बीजेपी की कुछ गलतियों ने उन्हें साफ़ बहुमत से पीछे धकेल दिया था । यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि इस समय भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती कांग्रेस नहीं है। कांग्रेस अभी भी अनेक क्षेत्रों में संगठनात्मक सीमाओं से जूझ रही है। वास्तविक चुनौती सत्ता के प्रति बढ़ती जन-थकान, स्थानीय स्तर पर संवादहीनता, निर्णय प्रक्रिया के अत्यधिक केंद्रीकरण और जनता के बीच बन रही उस धारणा से है कि सरकार अब सुनने से अधिक बोलने लगी है।

हिंदुत्व और सनातन भाजपा की वैचारिक शक्ति हैं। लेकिन किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वैचारिक पूंजी को सुशासन, संवेदनशीलता और जवाबदेही से लगातार पोषित करना पड़ता है। केवल वैचारिक आधार पर जनसमर्थन स्थायी नहीं रहता। अंततः मतदाता अपने जीवन, प्रशासनिक अनुभव और सरकार के व्यवहार का मूल्यांकन करता है।

उधर कांग्रेस स्वाभाविक रूप से इन दोनों जीतों से उत्साहित होगी। यदि भाजपा समय रहते अपने संगठन, सरकार और नेतृत्व की कार्यशैली में आवश्यक सुधार नहीं करती, तो कांग्रेस को राजनीतिक विस्तार का अवसर मिलता जाएगा। भाजपा के अनेक अच्छे निर्णय भी जनधारणा के कोहरे में छिप सकते हैं।

एक राजनीतिक विश्लेषक के रूप में मेरा निष्कर्ष स्पष्ट है। दतिया और विजयपुर की हार भाजपा की राजनीतिक यात्रा का अंत नहीं, बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। समझदार राजनीतिक दल चेतावनियों को समय रहते पढ़ लेते हैं और स्वयं को बदल लेते हैं। आत्ममुग्ध दल उन्हें संयोग मानकर आगे बढ़ जाते हैं। इतिहास अंततः दोनों के साथ अलग-अलग व्यवहार करता है।

अब निर्णय भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व, मध्यप्रदेश संगठन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उन सभी वैचारिक एवं संगठनात्मक स्तंभों को करना है, जिनके कंधों पर इस राजनीतिक परिवार की दीर्घकालिक दिशा निर्भर करती है। यदि अगले ढाई वर्षों में ईमानदार आत्ममंथन और साहसिक 'कोर्स करेक्शन' हुआ, तो 2028 अभी भी पूरी तरह भाजपा के पक्ष में जा सकता है। लेकिन यदि इन दोनों उपचुनावों को केवल स्थानीय असंतोष मानकर भुला दिया गया, तो संभव है कि भविष्य में इतिहास इन्हें एक बड़े राजनीतिक परिवर्तन की पहली दस्तक के रूप में याद करे।

'सियासत में हार से बड़ी त्रासदी हार नहीं होती। हार से मिले संदेश को न समझना होता है। दतिया और विजयपुर ने भाजपा को हराया नहीं है, बल्कि उसे समय रहते संभल जाने की चेतावनी दी है। अब यह भाजपा पर निर्भर है कि वह इसे पराजय माने या भविष्य का अवसर।'

वास्तविकता से अधिक प्रभावशाली धारणा...

लोकतंत्र में धारणा कई बार वास्तविकता से अधिक प्रभावशाली हो जाती है। सरकारें नीतियों से जितनी चलती हैं, उतनी ही जनता की अनुभूति से भी चलती हैं।यहीं से भाजपा के लिए 'कोर्स करेक्शन' की आवश्यकता शुरू होती है। आत्मनिरीक्षण की शुरुआत नीचे से नहीं, ऊपर से होनी चाहिए। सबसे पहले यह देखा जाना चाहिए कि क्या सरकार तक वास्तविक फीडबैक पहुंच भी रहा है या नहीं। क्या संगठन के भीतर ऐसे लोग बचे हैं जो शीर्ष नेतृत्व से असहमति रखने का साहस कर सकें? क्या जनता की नाराजगी बिना किसी राजनीतिक फिल्टर के मुख्यमंत्री और केंद्रीय नेतृत्व तक पहुंच रही है? या फिर केवल वही सूचनाएं ऊपर तक पहुंच रही हैं जिन्हें सुनना सुविधाजनक है? सत्ता का सबसे बड़ा शत्रु विपक्ष नहीं होता, बल्कि सूचना का फ़िल्टर होता है। जब नेतृत्व तक केवल प्रशंसा पहुंचने लगे और असहमति रास्ते में ही रुक जाए, तब राजनीतिक निर्णय वास्तविकता से दूर होने लगते हैं।

कितना प्रभावी है फीडबैक सिस्टम?

भाजपा को यह भी आत्ममंथन करना होगा कि कहीं सरकार और संगठन के बीच ऐसी समानांतर शक्ति संरचनाएं तो विकसित नहीं हो गई हैं, जो औपचारिक जवाबदेही से बाहर रहकर निर्णयों को प्रभावित कर रही हों। यदि ऐसा है, तो उसका सबसे बड़ा नुकसान अंततः भाजपा को ही होगा। यह भी समीक्षा का विषय है कि संघ और संगठन की वह परंपरागत फीडबैक प्रणाली, जिसने दशकों तक भाजपा को आत्मसुधार की क्षमता दी, क्या आज भी उतनी ही प्रभावी है? भाजपा की सबसे बड़ी ताकत केवल उसका व्यापक संगठन नहीं रहा, बल्कि समय-समय पर स्वयं को सुधारने की उसकी क्षमता रही है। जनसंघ से लेकर आज तक पार्टी ने अनेक कठिन दौर देखे हैं, लेकिन हर बार उसने आत्ममंथन से वापसी की है। यदि यह परंपरा कमजोर पड़ती है, तो संगठन का सबसे मजबूत ढांचा भी धीरे-धीरे खोखला होने लगता है। लोकतंत्र में जनता सरकार की अनेक गलतियां माफ कर देती है। विकास कार्यों में देरी भी सह लेती है। लेकिन जब उसे सत्ता के व्यवहार में आत्मविश्वास की जगह अहंकार दिखाई देने लगता है, तब उसका फैसला बहुत कठोर होता है। जनता किसी भी दल को इसलिए नहीं हराती कि उसने गलती की, बल्कि इसलिए हराती है क्योंकि उसे लगता है कि अब वह गलती स्वीकार करने और सुधारने को तैयार नहीं है।

न्यूज विंडो

बिजली के पोल से टकराते ही टैंकर में हुआ विस्फोट, तीन की मौत

आजमगढ़। गोरखपुर से डीजल लेकर बिलरियागंज थाना क्षेत्र स्थित एक पेट्रोल पंप की ओर जा रहा टैंकर जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के मालटारी-मिर्जापुर स्थित विद्युत उपकेंद्र के पास हादसे का शिकार हो गया। बिजली के पोल पर लगा ट्रांसफार्मर भी गिर गया। इसके तुरंत बाद तेज धमाके के साथ टैंकर में भीषण आग लग गई।घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। मरने वालों में मेहनगर थाना क्षेत्र के भीखमपुर गांव निवासी 26 वर्षीय प्रदीप कुमार भी शामिल है। हादसे के बाद उसके परिवार में कोहराम मच गया। वहीं, दो युवकों की पहचान का प्रयास पुलिस द्वारा की जा रही है।

दिल्ली में सीजेपी फाउंडर अभिजीत दीपके पर एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर फैजान अंसारी ने सीजेपी (सीजेपी) पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के खिलाफ दिल्ली पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। अंसारी का आरोप है कि दिपके के लोगों ने उन पर हमला किया। इन घटनाओं को लेकर पहले से ही दो मामले दर्ज हैं। मैं चाहता हूं कि दिल्ली पुलिस तुरंत दिपके को गिरफ्तार करे।'

पूर्वी अफ्रीका में भूस्खलन से 14 मौतें, कई लापता

अदीस अबाबा। इथियोपिया के अमहारा क्षेत्र में सुबह भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। कई लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है और राहत-बचाव अभियान लगातार जारी है। यह हादसा त्सादकाने देब्रे मिटमाक सेंट मैरी मठ में हुआ, जहां सैकड़ों श्रद्धालु पवित्र जल से शुद्धिकरण के धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने पहुंचे थे।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी... संसद में सरकार और विपक्षी दल आमने-सामने

ईडी और सीबीआई कहां हैं-खड़गे आप घड़ियाली आंसू बहा रहे-रिजिजू

प्रियंका ने कहा- उपचुनाव के नतीजों से साफ़, जनता बीजेपी से ऊब चुकी

नई दिल्ली, एजेंसी

मानसून सत्र के 12वें दिन आज संसद में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। लोकसभा की कार्यवाही महज 3 मिनट चलने के बाद दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच बहस हुई। खड़गे ने कहा- राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन केंद्र सरकार ने किया था। ट्रस्ट को 70 एकड़ से ज्यादा जमीन सौंपी। पीएम खुद राम मंदिर से जुड़े हर आयोजन में शामिल हुए। अब ईडी, सीबीआई और अन्य केंद्रीय जांच एजेंसियां कहां हैं। सरकार को सदन में इसका जवाब देना चाहिए।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सालों तक भगवान राम और राम मंदिर का विरोध करती रही हैं। राम मंदिर बनने पर काली पट्टी बांधकर विरोध किया था। आज वही लोग घड़ियाली आंसू बहाकर देश को गुमराह नहीं कर सकते। पहले भगवान राम का अपमान करने के लिए देश से माफी मांगिए, उसके बाद सरकार से जवाब मांगिए। इससे पहले कांग्रेस, सपा, राजद सहित अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। बिहार और मध्य प्रदेश विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की हार पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि अब साफ है कि जनता भाजपा से ऊब चुकी है। लोग समझ रहे हैं कि देश में क्या हो रहा है। मुझे लगता है कि यह सिर्फ शुरुआत है।

कांग्रेस, सपा, राजद सहित अन्य विपक्षी दलों के सांसद राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए।

संसद में एनडीए की मीटिंग

संसद की कार्यवाही से पहले एनडीए संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन समेत अन्य सांसद शामिल हुए। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भारत के हालिया फ्री ट्रेड एग्रीमेंट और उनके रणनीतिक महत्व पर प्रजेंटेशन दिया। वहीं मत्स्य पालन मंत्री राजीव रंजन सिंह ने मत्स्य क्षेत्र में सरकार की योजनाओं और भविष्य के रोडमैप पर जानकारी दी। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने भी सांसदों को संबोधित किया।

ई-20 का विरोध, केजरीवाल का पीएम हाउस मार्च पुलिस ने रोका

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनके साथी आज ई-20 पेट्रोल के विरोध में पार्टी मुख्यालय से 100 लोगों के साथ निकले हैं। वे पीएम को 2.33 लाख लोगों द्वारा हस्ताक्षरित याचिका सौंपना चाहते थे। पुलिस ने रास्ते में उन्हें रोक लिया। इसके बाद केजरीवाल और उनके साथी फिरोजशाह मार्ग पर ही धरने पर बैठ गए हैं। दौरान अरविंद केजरीवाल आप कार्यकर्ता सहित सैकड़ों लोगों के साथ सड़क पर ही धरने पर बैठ गए हैं।

एमओयू का आदान-प्रदान

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में प्रशासन अकादमी में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 अंतर्गत 'उभरते ज्ञान क्षेत्र, उन्नत पाठ्यक्रम : दृष्टि, दिशा एवं क्रियान्वयन' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला शुरू हुई। दौरान उच्च शिक्षा विभाग एवं विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के बीच एमओयू का आदान-प्रदान भी किया गया।

एक्ट्रेस तृषा पर 'डबल मीनिंग' बयान दिया, उदयनिधि स्टालिन गिरफ्तार

चेन्नई। डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन को आज नीलांकरई स्थित उनके घर से हिरासत में ले लिया गया। उन पर तंजावुर में कावेरी जल विवाद पर एक रैली के दौरान कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। उदयनिधि स्टालिन ने तमिलनाडु सीएम थलपति विजय की फ्रेंड त्रिशा कृष्णन को लेकर डबल मीनिंग बाते की थीं। संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. पी. विजयकुमार के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम ने उदयनिधि को उनके घर से हिरासत में लिया और पूछताछ के लिए पुलिस वाहन में ले गई।

यह हिरासत तब हुई जब उदयनिधि ने इस मामले में गिरफ्तारी की आशंका के चलते अग्रिम जमानत के लिए मद्रास हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। जब न्यायमूर्ति जी.के. इलानथिरायण के समक्ष मामला उठाया गया, तो अदालत ने तत्काल याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की। जब तक याचिका पर सुनवाई नहीं हो जाती, तब तक मामले को आगे न बढ़ाएं। यह विवाद सोमवार को तंजावुर में डीएमके एक रैली के बाद शुरू हुआ, जहां उदयनिधि ने पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए नारों का जवाब देते हुए कथित तौर पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को निशाना बनाया। इस दौरान उदयनिधि स्टालिन ने त्रिशा को लेकर दोहरे अर्थ वाली टिप्पणी की।

आज का कार्टून

बद्रीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड

बिहार-बंगाल में बिजली गिरने से 11 मौतें, 200 यात्री फंसे

नई दिल्ली। देशभर में बारिश से आम लोगों का जीवन भी प्रभावित है। बिहार और पश्चिम बंगाल में बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई। 14 लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में बिहार के अलग-अलग जिलों के 7 और बंगाल के हावड़ा के 4 लोग शामिल हैं।

उत्तराखंड के चमोली में बद्रीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड हुई। सड़क पर पहाड़ी से मलबा और बोल्डर गिरने से यातायात बाधित हो गया। इसके कारण करीब 200 यात्री फंस गए हैं, जो सोमवार रात 9 बजे से रास्ता खुलने का इंतजार कर रहे हैं। इधर, हरियाणा के अंबाला और झज्जर में रात भर बारिश हुई। इससे सड़कें तालाब बन गईं। दुकानों में पानी घुस गया। उत्तर प्रदेश के आगरा में रात 1 बजे से रुक-रुक कर बारिश हो रही है।

शहद-घी सहित कई चीजें बेचना बैन

डाबर के '100% शुद्ध' दावा करने वाले प्रोडक्ट्स पर रोक

नई दिल्ली। फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने डाबर इंडिया पर '100% शुद्ध' दावे वाले कई प्रोडक्ट को बेचने पर रोक लगा दी है। इसमें डाबर का शहद और गाय का घी भी शामिल है।

एफएसएसएआई ने इन दावों को गुमराह करने वाला बताया है और कंपनी को तुरंत इन चिह्नित सामानों की बिक्री बंद करने का निर्देश दिया है। डाबर से 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट मांगी है। एफएसएसएआई के अनुसार, कंपनी की वेबसाइट पर बेचे जा रहे खाद्य पदार्थों पर कई प्रकार के भ्रामक '100%' दावे पाए गए थे। ये दावे अस्पष्ट, असत्यापित और आम उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले हैं।

ट्रम्प ने दिया पाक को झटका

ईरान से हो रही मध्यस्थता में इस बार शामिल नहीं किया नाम

वाशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान से माना जा रहा है कि उनका पाकिस्तान से मोहभंग हो चुका है। उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच जारी बातचीत में मध्यस्थता करने वाले देशों का जिक्र करते हुए पाकिस्तान का नाम ही नहीं लिया। खुद को ईरान युद्ध का शांतिदूत मानने वाले पाकिस्तान के लिए ये बड़ा झटका है। ट्रंप ने कहा कि हम ईरान के अनुरोध पर बातचीत कर रहे हैं और इस प्रक्रिया में सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं।

इसके बाद पाकिस्तान की भूमिका को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। दरअसल इससे पहले अमेरिका के सेवानिवृत्त जनरल और रक्षा विशेषज्ञ जैक कीन ने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान का रुख ईरान के पक्ष में झुकता हुआ दिखाई दे रहा है।

पेड़ कटे, लकड़ी भी गायब... आनंद नगर में मेट्रो प्रोजेक्ट के बीच विभाग की निगरानी पर उठे सवाल

भोपाल. दोपहर मेट्रो

आनंद नगर क्षेत्र में मेट्रो परियोजना के लिए की जा रही पेड़ों की कटाई के बीच एक नई लापरवाही सामने आई है। सड़क किनारे काटकर छोड़े गए पेड़ों की लकड़ी स्थानीय लोग खुलेआम अपने घरों में उपयोग और जलावन के लिए ले जा रहे हैं, लेकिन संबंधित विभाग की ओर से न तो निगरानी की जा रही है और न ही लकड़ी को सुरक्षित रखने की व्यवस्था दिखाई दे रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कटे हुए पेड़ों के तने और शाखाएं कई घंटों तक सड़क किनारे पड़ी रहती हैं, जिसका फायदा उठाकर लोग उन्हें काटकर ले जाते हैं। इससे न केवल सरकारी संपत्ति का नुकसान हो रहा है, बल्कि विभागीय कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

गौरतलब है कि हाल के महीनों में भोपाल में मेट्रो और अन्य विकास परियोजनाओं के लिए पेड़ों की कटाई को लेकर पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा लगातार चर्चा में रहा है। ऐसे में आनंद नगर की यह स्थिति बताती है कि कटाई के बाद लकड़ी के संरक्षण और निगरानी के लिए प्रभावी व्यवस्था की आवश्यकता है।

ऑनलाइन गेम लिंक से शुरू हुआ फ्रॉड, बाड़मेर में बैठे सरगना तक पहुंची पुलिस की जांच

भोपाल की MBBS छात्रा से 97 हजार की साइबर ठगी, राजस्थान के एजेंट गिरफ्तार

भोपाल. दोपहर मेट्रो

भोपाल। कोहेफिजा थाना पुलिस ने साइबर ठगी के अंतरराज्यीय नेटवर्क का खुलासा करते हुए राजस्थान के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह किराए के बैंक खातों (म्यूल अकाउंट) के जरिए ठगी की रकम का लेन-देन करता था। मामले का खुलासा हमीदिया अस्पताल की एमबीबीएस छात्रा रितु कुमारी से हुई 97,250 रुपये की साइबर ठगी की जांच के दौरान हुआ।

पुलिस के अनुसार जून 2026 में रितु कुमारी ऑनलाइन गेम खेल रही थीं। इसी दौरान एक संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने के बाद उनके खाते से 84,937 रुपये और उनके मित्र के खाते से 12,313 रुपये निकाल लिए गए। शिकायत के बाद पुलिस ने बैंक ट्रांजैक्शन, एटीएम फुटेज और डिजिटल साक्ष्यों की मदद से जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि ठगी की रकम बंधन बैंक के एक खाते में पहुंची थी। इसके बाद भोपाल के एटीएम से दो बार 10-10 हजार रुपये निकाले गए। पुलिस ने होटल में दबिश देकर महेश और विकास नामक आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि गिरोह का मुख्य सरगना राजस्थान के बाड़मेर से पूरे नेटवर्क को संचालित करता था। वह भोपाल के करतार नामक व्यक्ति के माध्यम से बैंक खाते किराए पर लेकर ठगी की रकम का इस्तेमाल करता था। पुलिस अब मुख्य सरगना और अन्य खाताधारकों की तलाश कर रही है।

ऑनलाइन गेम की लिंक बनी ठगी का रास्ता, जांच जारी

एमबीबीएस छात्रा रितु कुमारी के साथ हुई ठगी की शुरुआत एक ऑनलाइन गेम लिंक से हुई। पुलिस के मुताबिक जून 2026 में गेम खेलते समय छात्रा ने एक लिंक पर क्लिक किया, जिसके बाद साइबर ठगों ने खाते से रकम निकाल ली। उनके खाते से 84,937 रुपये और मित्र के खाते से 12,313 रुपये गायब हो गए। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने डिजिटल लेन-देन की जांच शुरू की। बैंक रिकॉर्ड खंगालने पर ठगी की रकम एक बैंक खाते में पहुंचने की जानकारी मिली। इसके बाद एटीएम फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची।

आरोपियों तक पहुंची पुलिस

साइबर पुलिस ने बैंक ट्रांजैक्शन, एटीएम कैमरों की फुटेज और डिजिटल फुटप्रिंट्स के आधार पर कार्रवाई की। जांच के दौरान पता चला कि महेश और विकास भोपाल के एक होटल में ठहरे हुए हैं। पुलिस ने दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होंने गिरोह से जुड़े कई अहम खुलासे किए हैं। पुलिस अब मुख्य सरगना समेत उन लोगों की तलाश कर रही है, जिन्होंने अपने बैंक खाते किराए पर उपलब्ध कराए थे। अधिकारियों का कहना है कि साइबर अपराधियों के इस नेटवर्क को पूरी तरह खत्म करने के लिए जांच लगातार जारी है।

किराए के खातों से चलता था ठगी का नेटवर्क

पुलिस जांच में सामने आया कि साइबर ठग सीधे अपने खाते का इस्तेमाल नहीं करते थे। वे दूसरे लोगों के बैंक खाते किराए पर लेकर उन्हें म्यूल अकाउंट की तरह इस्तेमाल करते थे। ठगी की रकम इन खातों में मंगवाई जाती और फिर एजेंटों के जरिए नकदी निकाली जाती थी। राजस्थान के बाड़मेर में बैठा गिरोह का सरगना पूरे नेटवर्क को नियंत्रित करता था। भोपाल में खोले गए खातों से रकम निकालने के लिए एजेंटों को भेजा जाता था। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रही है।

रक्षाबंधन पर भोपाल से रीवा के लिए दौड़ेंगी चार स्पेशल ट्रेनें

भोपाल. दोपहर मेट्रो। रक्षाबंधन के त्योहार पर रीवा, सतना, मैहर और विंध्य क्षेत्र की यात्रा करने वाले भोपाल के यात्रियों के लिए रेलवे ने बड़ी राहत दी है। त्योहार के दौरान बढ़ने वाली यात्रियों की भीड़ और लंबी वेटिंग को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे ने भोपाल-रीवा मार्ग पर चार जोड़ी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर ये विशेष ट्रेनें 25 से 31 अगस्त के बीच संचालित की जाएंगी। इससे यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलने की संभावना बढ़ेगी और त्योहार के समय यात्रा अधिक आसान हो सकेगी। भोपाल-रीवा सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 25 अगस्त को रात 10:25 बजे भोपाल से रवाना होकर अगले दिन सुबह 7:20 बजे रीवा पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 26 अगस्त को शाम 6:35 बजे रीवा से चलकर 27 अगस्त को सुबह 4:30 बजे भोपाल पहुंचेगी।इसके अलावा 26 और 27 अगस्त को भी भोपाल से रीवा के लिए विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। 29, 30 और 31 अगस्त को भी यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त फेरे लगाए जाएंगे।

पत्रकारिता विवि के छात्र आदित्य सिनेमा स्टडीज विभाग में चौथी बार बने टॉपर

भोपाल. दोपहर मेट्रो। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के बैचलर ऑफ फिल्म एंड कम्युनिकेशन स्टडीज़ (ऑनर्स) के छात्र आदित्य कुमार चौरसिया ने सिनेमा स्टडीज विभाग में लगातार चौथी बार सर्वोच्च अंक प्राप्त कर नई उपलब्धि हासिल की है। अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ उन्होंने रचनात्मक क्षेत्र में भी उल्लेखनीय पहचान बनाई है। पिछले तीन वर्षों के दौरान आदित्य ने विश्वविद्यालय परिसर की गतिविधियों, आयोजनों और विभिन्न पहलुओं को कैमरे में कैद करते हुए लगभग एक लाख फोटोग्राफ तैयार किए। इसके

अलावा उन्होंने कई लघु फिल्मों और वृत्तचित्रों का निर्माण कर फिल्म निर्माण एवं दृश्य संचार के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विश्वविद्यालय परिवार ने आदित्य की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया। उनकी सफलता शैक्षणिक उत्कृष्टता, रचनात्मक सोच और निरंतर मेहनत का उत्कृष्ट उदाहरण मानी जा रही है।

ऑटो से उतरते ही महिला कंप्यूटर ऑपरेटर से लूट, बाइक सवार तीन बदमाश हुए फरार

भोपाल. दोपहर मेट्रो

राजधानी में बदमाशों के हौसले लगातार बढ़ते नजर आ रहे हैं। ऐशबाग थाना क्षेत्र के प्रभात चौराहे पर शुक्रवार रात ऑटो से उतरकर दूसरे वाहन का इंतजार कर रही महिला कंप्यूटर ऑपरेटर से बाइक सवार तीन बदमाशों ने बैग लूट लिया। वारदात उस स्थान से कुछ ही दूरी पर हुई, जहां पुलिस और यातायात विभाग का चेकिंग प्वाइंट भी मौजूद रहता है।

पुलिस के अनुसार गौतम नगर निवासी संध्या मालवीय चेतक ब्रिज के पास स्थित एक कोचिंग संस्थान में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत हैं। शुक्रवार रात ड्यूटी खत्म करने के बाद वह अशोका गार्डन से ऑटो में बैठकर घर लौट रही थीं। रास्ते में ऑटो चालक ने अन्य सवारी नहीं मिलने का हवाला देते हुए उन्हें बीच रास्ते में उतार दिया। संध्या दूसरे ऑटो की तलाश में सड़क किनारे आगे बढ़ रही थीं, तभी बाइक पर सवार तीन बदमाश उनके पास पहुंचे। इससे पहले कि वह कुछ समझ पातीं, बदमाशों ने झपट्टा मारकर उनका बैग छीन लिया और तेज रफ्तार से फरार हो गए। महिला के बैग में सोने का मंगलसूत्र, सोने की अंगूठी, चांदी की बिछिया, नकदी, जरूरी दस्तावेज और अन्य सामान रखा हुआ था। पुलिस ने प्रारंभिक अनुमान के आधार पर करीब 70 हजार रुपये की संपत्ति की झपटमारी का मामला दर्ज किया है। घटना की जानकारी मिलते ही ऐशबाग थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू कर दी। पुलिस अब फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। थाना प्रभारी संदीप पवार ने बताया कि बदमाशों की तलाश के लिए पुलिस टीम सक्रिय है।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जयंती पर गूंजा साहित्य का स्वर, युवाओं को उनकी रचनाओं से जोड़ने पर जोर

140वीं जयंती पर परिचर्चा व काव्यपाठ आयोजित, वक्ताओं ने बताया गुप्त साहित्य को आज भी प्रासंगिक

भोपाल. दोपहर मेट्रो

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की 140वीं जयंती के अवसर पर दुष्यंत कुमार पांडुलिपि संग्रहालय में 'वर्तमान समय में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के साहित्य की प्रासंगिकता' विषय पर परिचर्चा एवं रचना-पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गुप्त जी की प्रसिद्ध रचनाओं 'हम कौन थे, क्या हो गए और क्या होंगे अभी, आओ मिलकर आज विचारें ये समस्याएं सभी' तथा 'कुछ काम करो, कुछ

काम करो, जग में रहकर कुछ नाम करो' सहित अनेक कालजयी कृतियों का वाचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार कांति शुक्ला 'उर्मि' ने की। मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार देवेंद्र कुमार जैन ने विद्यार्थियों और युवाओं को गुप्त जी के साहित्य से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। सारस्वत अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. कुमकुम गुप्ता ने गुप्त जी के व्यक्तित्व की सादगी, राष्ट्रप्रेम और मानवीय मूल्यों को रेखांकित किया। वहीं वरिष्ठ साहित्यकार वीरेंद्र जैन ने कहा कि गुप्त जी के साहित्य में किसानों, मजदूरों और वंचित वर्ग के प्रति गहरी संवेदना स्पष्ट दिखाई देती है। संग्रहालय की निदेशक करुणा राजुरकर ने स्वागत उद्बोधन देते हुए राष्ट्रकवि की प्रमुख कविताओं के अंशों का पाठ किया और उन्हें युगद्रष्टा कवि बताया।

मेट्रो एंकर | मान्यता खत्म होने के बाद भी जारी था संचालन, एक करोड़ बकाया किराया वसूलेगा प्रशासन

भोपाल रेलवे कर्मचारी यूनियन का कार्यालय हुआ सील

भोपाल. दोपहर मेट्रो

पश्चिम मध्य रेलवे प्रशासन ने मान्यता खो चुकी वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्प्लाइज यूनियन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भोपाल स्थित उसके कार्यालय को सील कर दिया है। रेलवे प्रशासन ने यह कदम एक अगस्त को उठाया। यूनियन वर्ष 2014 में हुए मान्यता चुनाव में हार गई थी, जिसके बाद उसे मिलने वाली कई सुविधाएं पहले ही समाप्त की जा चुकी थीं।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, मान्यता खत्म होने के करीब 12 साल बाद भी यूनियन कार्यालय का संचालन जारी था। इसको लेकर अन्य कर्मचारी संगठनों की ओर से लगातार आपत्ति दर्ज कराई जा रही थी। इसके बाद रेलवे ने यूनियन को मिलने वाली सीयूजी सिम, कार्ड पास और स्पेशल कैजुअल लीव जैसी सुविधाएं वापस ले ली थीं। अब कार्यालय को भी सील कर दिया गया है। कर्मचारी परिषद का दावा है कि यूनियन पर कार्यालय किराए के रूप में एक करोड़

रुपये से अधिक की राशि बकाया है। परिषद ने मांग की है कि इस राशि की वसूली जिम्मेदार पदाधिकारियों से की जाए। इसके लिए उनके वेतन से प्रतिमाह कटौती और सेवानिवृत्ति भुगतान से समायोजन की मांग भी रखी गई है। रेलवे प्रशासन ने बकाया राशि को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को नोटिस जारी कर दिया है। पश्चिम मध्य रेलवे के सीपीआरओ हर्षित श्रीवास्तव ने कहा कि यदि तय समय में राशि जमा नहीं की गई तो यूनियन को भविष्य के मान्यता चुनाव में भाग लेने से अयोग्य घोषित किया जा सकता है।

2014 के चुनाव के बाद खत्म हुई थी मान्यता

वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्प्लाइज यूनियन को वर्ष 2014 में हुए मान्यता चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद रेलवे नियमों के तहत यूनियन को मिलने वाली आधिकारिक मान्यता समाप्त हो गई थी। हालांकि इसके बावजूद भोपाल स्थित कार्यालय से गतिविधियां संचालित होने का दावा किया जा रहा था। अन्य कर्मचारी संगठनों ने समय-समय पर प्रशासन से मांग की कि मान्यता समाप्त होने के बाद मिलने वाली सभी सुविधाएं वापस ली जाएं। रेलवे ने पहले सुविधाएं समाप्त कीं और अब कार्यालय को सील करने की कार्रवाई की है।

एक करोड़ से ज्यादा किराया बकाया

कर्मचारी परिषद ने आरोप लगाया है कि यूनियन कार्यालय के किराए की एक करोड़ रुपये से अधिक राशि लंबे समय से बकाया है। परिषद का कहना है कि रेलवे की संपत्ति के उपयोग के बदले यह राशि वसूल की जानी चाहिए। संगठन ने मांग की है कि जिम्मेदार पदाधिकारियों से वेतन कटौती के माध्यम से बकाया राशि की भरपाई कराई जाए। इसके अलावा सेवानिवृत्ति के समय मिलने वाले अंतिम भुगतान में भी समायोजन की प्रक्रिया अपनाने की मांग की गई है।

चुनाव लड़ने की पात्रता पर भी असर संभव

रेलवे प्रशासन की कार्रवाई के बाद कर्मचारी संगठनों के बीच मान्यता और सुविधाओं को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि बकाया राशि जमा नहीं कराने पर यूनियन के खिलाफ आगे भी कार्रवाई की जा सकती है। सीपीआरओ हर्षित श्रीवास्तव के अनुसार, नोटिस जारी कर दिया गया है और समय सीमा के भीतर भुगतान नहीं होने पर यूनियन की चुनावी पात्रता प्रभावित हो सकती है। अब सभी की नजरें इस बात पर हैं कि यूनियन प्रशासन के नोटिस पर क्या कदम उठाती है।

एमपी में MBBS और BDS दाखिले की प्रक्रिया कल से

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी और निजी मेडिकल व डेंटल कॉलेजों में MBBS और BDS दाखिले के लिए NEET UG-2026 काउंसलिंग का पहला राउंड शेड्यूल जारी कर दिया गया है। अभ्यर्थी 5 अगस्त से 13 अगस्त रात 11:59 बजे तक MP Online के DME पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। 11 अगस्त को सीट मैट्रिक्स जारी होगी, जबकि 14 अगस्त को स्टेट मेरिट लिस्ट घोषित की जाएगी। अभ्यर्थी 15 से 18 अगस्त तक कॉलेज चॉइस भर सकेंगे। पहले राउंड का सीट अलॉटमेंट रिजल्ट 20 अगस्त को जारी होगा।

नर्मदा ब्रिज के नीचे दिन-दहाड़े सीना चीर रहे रेत चोर

चार दशक से पुराने जर्जर तवा पुल पर दौड़ रहे डंपर

प्रशासन 'मौन', माफिया 'दबंग'

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम। जिले में कानून-व्यवस्था और सरकारी दावों की धज्जियां उड़ाते हुए रेत माफिया और भारी वाहन चालक न सिर्फ पुलों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं, बल्कि राहगीरों की जान भी जोखिम में डाल रहे हैं। एक तरफ नर्मदापुरम, पिपरिया और पचमढ़ी को जोड़ने वाला 44 साल पुराना ऐतिहासिक तवा पुल जर्जर होकर तड़प रहा है, तो दूसरी तरफ जीवनदायिनी नर्मदा के सीने को दिन-दहाड़े छलनी किया जा रहा है।

तवा पुल के पिलर नंबर 52, 53 और 54 के स्लैब जॉइंट्स में गंभीर दरारें आने के बाद प्रशासन ने दो महीने से भारी वाहनों पर रोक लगा रखी है। विशेषज्ञ इंजीनियरों की चेतावनी है कि पुल कभी भी बैठ सकता है। इसके बावजूद, रात के अंधेरे में होमगार्ड, पुलिस जवानों और इंटरनेट से जुड़े सीसीटीवी कैमरों की निगरानी को ठेंगा दिखाकर रेत से भरे ओवरलोड डंपर और ट्राले बेखौफ दौड़ रहे हैं। एमपीआरडीसी के डिवीजनल मैनेजर अनिरुद्ध बंसल के मुताबिक, स्थिति इतनी गंभीर है कि अब भारी वाहनों को रोकने के लिए मजबूत 'हाइट गेज' का डिजाइन तैयार किया जा रहा है, क्योंकि पिछले सामान्य हाइट गेज को दबंग वाहन चालकों ने तोड़ दिया था।

नर्मदा ब्रिज के पास दिन-दहाड़े डकैती

पुल की इस बदहाली के पीछे का मुख्य विलेन है- 'अवैध रेत उत्खनन'। सरकारी रोक और नर्मदा का जलस्तर बढ़ने के बावजूद खनन माफियाओं के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे रात तो क्या, दिन के उजाले में भी नर्मदा ब्रिज के ठीक नीचे से रेत चोरी कर रहे हैं। वर्तमान में डोंगरवाडा रेत खदान किसी को आवंटित नहीं है, यानी यहाँ से रेत निकालना पूरी तरह गैरकानूनी है। फिर भी, यहाँ से निकाली जा रही अवैध रेत को सीहोर जिले के बुदनी क्षेत्र में खपाया जा रहा है। जिला और थाना क्षेत्र अलग होने का फायदा उठाकर माफिया पुलिस को चकमा दे रहे हैं।

हाइवे बना 'डेंजर ज़ोन', ड्रेन होल हुए चोक | अवैध परिवहन के चलते भोपाल तिराहे से बुदनी के बीच बने नए टूलेन नर्मदा ब्रिज की हालत भी खराब हो रही है। ट्रैक्टरों से गिरने वाली रेत के कारण ब्रिज पर पानी निकासी के लिए बने 'ड्रेन होल' पूरी तरह बंद हो चुके हैं। नतीजा यह है कि पुल के करीब 5 फीट के हिस्से में कीचड़ और पानी जमा हो गया है, जिससे हाइवे पर वाहनों के फिसलने और बड़े हादसों की आशंका कई गुना बढ़ गई है।

निजी विद्यालयों के संचालन के लिए नई गाइडलाइन

विभाग स्टूडेंट संख्या के आधार पर कराएगा सिक्योरिटी डिपॉजिट, दो लाख तक का भरना होगा जुर्माना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अगर किसी निजी विद्यालय ने स्कूल शिक्षा विभाग से विद्यालय संचालन के साथ पाठ्यक्रम और अन्य कार्य व्यवस्था संचालन के लिए मान्यता हासिल की है तो उसे अब सरकार द्वारा तय नई गाइडलाइन का पालन करना होगा। अगर किसी निजी विद्यालय द्वारा सरकार की शर्तों का पालन नहीं किया गया तो नोटिस देने की कार्रवा के साथ मान्यता निरस्त करने और दो लाख रुपए तक का जुर्माना लगाने की कार्रवाई की जा सकेगी। मान्यता या नवीनीकरण के लिए विद्यालयों को छात्र संख्या के आधार पर सिक्योरिटी डिपॉजिट करनी होगी।

स्कूल शिक्षा विभाग ने निजी हाईस्कूल एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की स्थापना, मान्यता, नवीनीकरण, मान्यता विस्तार, संकाय वृद्धि, माध्यम परिवर्तन, स्थान परिवर्तन तथा नाम परिवर्तन से संबंधित नई गाइडलाइन तय कर दी है। इसके लिए अब विद्यालयों में इंफ्रास्ट्रक्चर फैसिलिटी, शिक्षक व्यवस्था, आईसीटी, प्रयोगशाला, पुस्तकालय और सुरक्षा निधि जैसे प्रावधानों को भी अनिवार्य किया गया

राज्य स्तर पर बनेगी मान्यता समिति

नई व्यवस्था में राज्य स्तर पर एक राज्य मान्यता समिति गठित की जाएगी। कम से कम तीन सदस्यों वाली यह समिति निजी विद्यालयों की मान्यता, नवीनीकरण, विस्तार, संकाय वृद्धि, स्थान एवं नाम परिवर्तन जैसे मामलों के लिए नीति, दिशा-निर्देश और निर्णय लेने का कार्य करेगी। समिति में स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव या सचिव, आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय और माध्यमिक शिक्षा मंडल के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। विद्यालयों को मान्यता अथवा नवीनीकरण के लिए तय दस्तावेजों सहित ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन करना होगा। हर वर्ष 30 सितंबर तक मिले आवेदन उसी शैक्षणिक सत्र के लिए विचार किए जाएंगे। इसके बाद आने वाले आवेदन अगले सत्र के लिए मान्य होंगे। बिना नई मान्यता प्राप्त किए विद्यालय नई शाखा संचालित नहीं कर सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन प्राप्त होने के बाद संबंधित अधिकारी 45 दिनों के भीतर आवेदन पर अंतिम निर्णय लेंगे। यदि आवेदन अधूरा होगा तो 15 दिनों के भीतर गलतियो की सूचना दी जाएगी तथा आवेदक को तय समय में संशोधित आवेदन प्रस्तुत करना होगा।

बलराम कृषि महोत्सव में सीएम का संदेश

नई तकनीक से बदलेगी खेती की तस्वीर किसानों की समृद्धि का यही है नया रास्ता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों का इस्तेमाल ही किसानों की आय बढ़ाने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि जो किसान आधुनिक कृषि पद्धतियों, वैज्ञानिक तकनीकों और सरकार की योजनाओं से जुड़ेंगे, उनकी आर्थिक स्थिति उतनी ही मजबूत होगी। मध्यप्रदेश में खेती को नई दिशा देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और प्रदेश कृषि विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को बैतूल में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

बागवानी में मध्यप्रदेश को मिला देश में पहला स्थान

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्यानिकी यानी बागवानी फसलों का उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है। बागवानी क्षेत्र के विकास और विस्तार में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदेश को देश का पहला पुरस्कार मिलना किसानों और सरकार के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि किसानों के जीवन को बेहतर बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने बैतूल जिले की प्राकृतिक संपदा, उपजाऊ जमीन और मेहनतकश किसानों की प्रशंसा करते हुए कहा कि मां ताप्ती सहित सात नदियों का आशीर्वाद प्राप्त यह क्षेत्र कृषि के लिए बेहद समृद्ध है।

बैतूल ने मक्का उत्पादन में बनाई पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि बैतूल ने मक्का उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर में अपनी अलग पहचान बनाई है। यहां के किसान गेहूं, धान, मक्का और श्रीअन्न जैसी फसलों का बेहतर उत्पादन कर प्रदेश की खाद्य सुरक्षा को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि मध्यप्रदेश आज देश की 'फूड बास्केट' के रूप में उभर रहा है तो इसमें बैतूल के किसानों की मेहनत और उपजाऊ मिट्टी का बड़ा योगदान है। मुख्यमंत्री ने बताया कि किसानों की समस्याओं के समाधान और उन्हें नई तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रदेश में 15 जुलाई से 13 नवंबर तक बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी गांव-गांव पहुंचकर किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक, वैज्ञानिक खेती और सरकारी योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे विशेषज्ञों से संवाद करें और नई तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक मुनाफे का माध्यम बनाएं।

मूंग खरीदी की सीमा बढ़ाई

मुख्यमंत्री ने किसानों के हित में सरकार के फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि मूंग उत्पादक किसानों की मांग को देखते हुए उपार्जन के लिए पात्र किसानों की सीमा 25 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दी गई है। अब सरकार 60 प्रतिशत पात्र किसानों से मूंग खरीदेगी। उन्होंने बताया कि मूंग उपार्जन की अंतिम तिथि 20 अगस्त 2026 तक बढ़ाई गई है, जबकि स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 10 अगस्त तय की गई है।

कृषि से जुड़े हर क्षेत्र को मजबूत करने पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार खेत से बाजार तक पूरी कृषि मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। फूड प्रोसेसिंग, वेयरहाउसिंग, कोल्ड चेन, ग्रेडिंग, पैकेजिंग, वैल्यू एडिशन और कृषि निर्यात को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिल सके। उन्होंने बताया कि इस वर्ष समर्थन मूल्य के साथ बोनस देकर गेहूं का रिकॉर्ड उपार्जन किया गया है। वहीं धान उत्पादक किसानों को 4 हजार प्रति हेक्टेयर अतिरिक्त सहायता दी जा रही है।

तापी बेसिन परियोजना से बढ़ेगी सिंचाई क्षमता

मुख्यमंत्री ने बैतूल के विकास को लेकर कहा कि जल संरक्षण और सिंचाई सुविधाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र सरकार के साथ तापी बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना के लिए समझौता किया गया है। इससे बैतूल, बुरहानपुर और खंडवा सहित पूरे क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं और भू-जल संरक्षण को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि खेती केवल परंपरा नहीं, बल्कि किसानों के लिए लाभ का मजबूत व्यवसाय बने। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसानों के हित और उनकी समृद्धि के लिए सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।

नए बाजारों की तलाश में दवा कंपनियां, अफ्रीका और यूरोप बनेंगे नई मंजिल

ट्रंप के टैरिफ वार से नहीं डरेगा फार्मा उद्योग!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से आयातित जेनेरिक दवाओं पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद वैश्विक फार्मा बाजार में हलचल तेज हो गई है। हालांकि यह व्यवस्था अगस्त 2028 से चरणबद्ध तरीके से लागू होने की बात कही गई है, लेकिन मध्यप्रदेश के दवा उद्योग ने अभी से अपनी रणनीति तैयार करनी शुरू कर दी है। प्रदेश के फार्मा उद्योग का कहना है कि यदि अमेरिका भारतीय दवाओं पर अतिरिक्त शुल्क लगाता है तो इसका असर केवल भारतीय कंपनियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अमेरिकी मरीजों और वहां की स्वास्थ्य व्यवस्था पर भी पड़ेगा। इसी को देखते हुए मध्यप्रदेश की दवा कंपनियां नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। मध्यप्रदेश

पीथमपुर से भोपाल तक फैला है फार्मा कारोबार

में दवा उत्पादन का बड़ा नेटवर्क मौजूद है। पीथमपुर, इंदौर, देवास, मालनपुर, भोपाल और जबलपुर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों से बड़ी मात्रा में जेनेरिक दवाओं का उत्पादन और निर्यात किया जाता है। प्रदेश में करीब 350 छोटी-बड़ी फार्मा इकाइयां संचालित हैं, जिनमें लगभग 100 कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात कर रही हैं। इन कंपनियों की दवाओं की मांग अमेरिका सहित कई देशों में बनी हुई है।

गुणवत्ता और कम कीमत बनी भारतीय दवाओं की ताकत

मध्यप्रदेश से पैरासिटामोल, मेटफॉर्मिन, एमोक्सिसिलिन, एजीथ्रोमाइसिन, ओमेप्राजोल, एटोरवास्टेटिन और इबुप्रोफेन जैसी जेनेरिक दवाओं के साथ वैक्सीन का भी निर्यात किया जाता है। अमेरिका के अलावा कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, रूस, यूएई, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, ऑस्ट्रेलिया और कई एशियाई देशों में मध्यप्रदेश की दवाओं की मजबूत मौजूदगी है।

उद्योग ने कहा- चुनौती को अवसर में बदलेंगे

बेसिक ड्रग डीलर एसोसिएशन मध्यप्रदेश के अध्यक्ष जेपी मूलचंदानी ने कहा कि भारतीय दवाओं ने गुणवत्ता और किफायती कीमतों के कारण दुनिया में भरोसा बनाया है। उन्होंने कहा कि यदि अमेरिकी बाजार में नई शुल्क व्यवस्था लागू होती है तो कंपनियां दूसरे देशों में निर्यात बढ़ाने के विकल्प तलाशेंगी। वहीं एमपी फेडरेशन ऑफ फार्मा इंटरप्रेन्योर के स्टेट चेयरमैन हिमांशु शाह ने कहा कि ऐसा फैसला अमेरिका के लिए भी महंगा साबित हो सकता है, क्योंकि जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता और कीमत पर इसका सीधा असर पड़ेगा।

राज्य शासन यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए गंभीर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर भोपाल में मंत्रीमंडल समूह ने भोपाल में ट्रांसपोर्टर और बस एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, आयुक्त और बस ट्रांसपोर्ट यूनियन के प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में बस ट्रांसपोर्ट ऐसोसिएशन की समस्याओं और उसके निराकरण की विस्तार से चर्चा की गई। मंत्रीमंडल समूह द्वारा एसोसिएशन की समस्याओं का निराकरण करने का आश्वासन दिया गया। बैठक में एसोसिएशन की प्रमुख मांगों पर विचार किया गया। चर्चा में बताया गया कि परिवहन सेवा को बेहतर बनाने के लिए एक कमेटी बनाई गई है। इसमें राज्य शासन की तरफ से 3 अधिकारी, 4 ट्रांसपोर्ट यूनियन के पदाधिकारी और मुख्यमंत्री से अधिकृत एक प्रतिनिधि होगा। कमेटी जो निर्णय करेगी उस पर सरकार विचार विमर्श करने के बाद आगे बढ़ेगी।

मप्र में विकास सिर्फ कागजों पर?

बाइक और खाट पर उठीं लाशों ने खोली व्यवस्था की सच्चाई

सिंगरौली, दोपहर मेट्रो

ऊर्जा और खनिज संपदा से मालामाल सिंगरौली हर साल खनिज विभाग के जरिए प्रदेश सरकार के खजाने में करीब दो हजार करोड़ रुपये का राजस्व जमा कराता है, लेकिन स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी सुविधाओं की हालत आज भी बदतर बनी हुई है। हाल ही में सामने आई दो दर्दनाक घटनाओं ने स्वास्थ्य विभाग के दावों की पूरी तरह पोल खोल दी है। एक ओर एंबुलेंस नहीं मिलने से मजबूर पिता को मासूम बेटे का शव बाइक पर ले जाना पड़ा, तो दूसरी ओर जर्जर सड़क के कारण परिजनों को युवक की लाश खाट पर ढोनी पड़ी। ये तस्वीरें सिर्फ व्यवस्था की नाकामी नहीं बल्कि उन दावों पर भी बड़ा सवाल हैं जिनमें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और ग्रामीण विकास के लंबे-चौड़े वादे किए जाते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल इन घटनाओं के बाद लोगों में भारी आक्रोश है और जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

दतिया से सबक नहीं, पुराने चुनावों का ढोल पीट रहे मुख्यमंत्री : तिवारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेता आशीष तिवारी ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के दतिया में वोट बढ़ने के बयान पर कहा कि रस्सी जल गई, लेकिन बल नहीं गया। दतिया और

विजयपुर की हार के बाद भी मुख्यमंत्री आत्ममंथन करने के बजाय पुराने चुनावों का श्रेय गिना रहे हैं। यदि जीत उनकी है, तो हार की नैतिक जिम्मेदारी भी उन्हें ही लेनी चाहिए, दतिया का जनादेश भाजपा के अहंकार, दंभ और जनविरोधी राजनीति के खिलाफ जनता का स्पष्ट फैसला है।

उन्होंने कहा कि दतिया का परिणाम केवल एक सीट का चुनाव नहीं, बल्कि प्रदेश की जनता की बदलती सोच और जवाबदेह शासन की अपेक्षा का संकेत है। सरकार को अपने मुंह मिट्ठू बनने की बजाय अपनी विफलता को स्वीकार करना चाहिए। तिवारी ने विजयी प्रत्याशी घनश्याम सिंह, वरिष्ठ नेतृत्व, समर्पित कार्यकर्ताओं एवं दतिया की जागरूक जनता को बधाई देते हुए कहा कि कांग्रेस सड़क से सदन तक जनहित के मुद्दों को मजबूती से बुलंद करेगी। उधर, बांकीपुर में भी भाजपा के गढ़ में पार्टी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। तिवारी ने कहा कि वहां जनता ने पार्टी के अध्यक्ष को दरकिनार कर प्रशांत किशोर की काबिलियत को तरजीह दी।

डिजिटल जंग में बड़ी पहल

यूएन मंच पर गूंजा मध्यप्रदेश पुलिस का मॉडल!

मानवाधिकार आधारित पुलिसिंग को मिली वैश्विक पहचान

डीआईजी डॉ. विनीत कपूर ने शिखर सम्मेलन में रखा जन-केंद्रित पुलिसिंग का खाका

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पुलिस की मानवाधिकार आधारित और जन-केंद्रित पुलिसिंग को अंतरराष्ट्रीय मंच पर बड़ी पहचान मिली है। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में किए जा रहे नवाचारों को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर सराहना मिली। मध्यप्रदेश पुलिस के डीआईजी कम्युनिटी पुलिसिंग डॉ. विनीत कपूर को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित विश्व मानवाधिकार शिखर सम्मेलन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

इस सम्मेलन में 70 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, नीति निर्माता, पुलिस

अधिकारी, शिक्षाविद और मानवाधिकार विशेषज्ञ शामिल हुए। डॉ. कपूर ने यहां मध्यप्रदेश पुलिस की मानवाधिकार आधारित प्रशिक्षण व्यवस्था, सामुदायिक पुलिसिंग और नागरिक केंद्रित कार्यप्रणाली को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में डॉ. विनीत कपूर ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस ने भारतीय संविधान की भावना और मानवाधिकारों के सिद्धांतों को पुलिस प्रशिक्षण और कार्य संस्कृति का हिस्सा बनाया है। उन्होंने कहा कि संवेदनशील, जवाबदेह और जनता के प्रति समर्पित पुलिसिंग ही बेहतर कानून व्यवस्था और जनविश्वास की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने बताया कि पुलिस का उद्देश्य केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग तक न्याय और सुरक्षा की भावना पहुंचाना भी है।

महिला हेल्प डेस्क और शक्ति समितियों की हुई सराहना- डॉ. कपूर ने मध्यप्रदेश पुलिस की कई अभिनव पहलों का उल्लेख किया, जिनमें महिला हेल्प डेस्क, शक्ति समितियां और प्रोजेक्ट सृजन प्रमुख हैं। उन्होंने बताया कि इन प्रयासों से महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों तक पुलिस सहायता पहुंचाने में प्रभावी सफलता मिली है। इन पहलों को सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी-16) के अनुरूप समावेशी और प्रभावी मॉडल के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया।

नशामुक्ति अभियान का भी मिला समर्थन

संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में डॉ. कपूर ने मध्यप्रदेश पुलिस के राज्यव्यापी अभियान नशे से दूरी है जरूरी का भी उल्लेख किया। उन्होंने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों से नशामुक्त समाज बनाने के लिए आगे आने का आह्वान किया। प्रतिनिधियों और मानवाधिकार विशेषज्ञों ने Say No to Drugs का संदेश देते हुए मध्यप्रदेश पुलिस के इस अभियान की प्रशंसा की और इसे समाजहित में अनुकरणीय पहल बताया मानवाधिकार शिक्षा, पुलिस प्रशिक्षण, सामुदायिक सहभागिता और जन-जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डीआईजी डॉ. विनीत कपूर को Human Rights Hero Award से सम्मानित किया गया। यह सम्मान केवल डॉ. कपूर के प्रयासों की सराहना नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश पुलिस की संवेदनशील और जनता केंद्रित कार्यशैली को मिली अंतरराष्ट्रीय मान्यता भी है।

राजनीति की बेचैनी

लोकतंत्र में सवाल पूछना अधिकार है, जवाब देना जिम्मेदारी और पारदर्शिता दोनों के बीच का वह सेतु है जिस पर जनता का विश्वास टिका होता है। लेकिन जब सूचना के अधिकार की दस्तक राजनीति के दरवाजे तक पहुंचती है, तो अक्सर बहस तथ्य से अधिक प्रतिवाद और आरोप-प्रत्यारोप के इर्द-गिर्द घूमने लगती है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी), उसके ऑनलाइन संस्थापक अभिजीत दिपके और एक आरटीआई आवेदन को लेकर उपजा ताजा विवाद इसी प्रवृत्ति का उदाहरण बनकर सामने आया है। मामले की शुरूआत एक समाजसेवी द्वारा दायर उन शिकायतों और आरटीआई आवेदनों से हुई, जिनमें अभिजीत दिपके की अमेरिका में उच्च शिक्षा पर हुए खर्च, पार्टी को प्राप्त आर्थिक सहयोग और कुछ वित्तीय पहलुओं पर जानकारी मांगी गई है। सवाल यह भी उठाया गया कि यदि परिवार की आय सीमित थी, तो विदेश में पढ़ाई का खर्च किस प्रकार वहन किया गया। इसी क्रम में संबंधित संस्थाओं से जांच की मांग भी की गई। इन सवालों पर सीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे एक निजी व्यक्ति को निशाना बनाने की कोशिश बताया। पार्टी की ओर से यह तर्क भी सामने आया कि यदि पारदर्शिता की मांग की जा रही है, तो उन संस्थाओं और व्यवस्थाओं पर भी समान रूप से सवाल उठने चाहिए, जिनकी जवाबदेही को लेकर पहले से सार्वजनिक बहस होती रही है। इसी संदर्भ में पीएम केयर्स फंड का उल्लेख किया गया, जिसे केंद्र सरकार सूचना के अधिकार कानून के दायरे से बाहर मानती रही है। दूसरी ओर, अभिजीत दिपके ने अपने ऊपर लगाए गए संदेहों का जवाब देते हुए कहा कि उनकी पढ़ाई का प्रमुख आधार विश्वविद्यालय से प्राप्त छात्रवृत्ति और शिक्षा ऋण था। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस संबंध में उपलब्ध दस्तावेज उनके पक्ष को स्पष्ट करते हैं। स्वाभाविक है कि यदि कोई शिकायत दर्ज होती है तो उसकी सत्यता का निर्धारण जांच एजेंसियों और सक्षम संस्थाओं के माध्यम से ही होना चाहिए, न कि केवल सार्वजनिक विमर्श के आधार पर। दरअसल, यह विवाद किसी एक व्यक्ति या एक राजनीतिक संगठन तक सीमित नहीं है। यह उस व्यापक प्रश्न को सामने लाता है कि सार्वजनिक जीवन में सक्रिय लोगों से पारदर्शिता की अपेक्षा कितनी होनी चाहिए और निजी जीवन की सीमाएं कहां तक सुरक्षित रहनी चाहिए।

बचपन अनमोल है... न्याय केवल मुआवजा नहीं, जीवन का सहारा भी होना चाहिए

डॉ. निवेदिता शर्मा
स्तंभकार

'मां... मैं फिर कब दौड़ पाऊंगी?' यह प्रश्न किसी पांच वर्ष की बच्ची का है, जिसने शायद अभी जीवन का अर्थ भी ठीक से नहीं समझा था। उसे यह नहीं पता कि रीढ़ की हड्डी में लगी चोट क्या होती है, स्थायी लकवा क्या होता है और व्हीलचेयर पर बीतने वाला जीवन कितना लंबा और कठिन होता है। उसे तो बस इतना मालूम है कि पहले वह अपने दोस्तों के साथ खेलती थी, आंगन में तितलियों के पीछे दौड़ती थी, मां की उंगली छोड़कर स्कूल की ओर भागती थी, वैसा ही उसका जीवन फिर से हो जाए, क्योंकि पैर उसकी सुनते ही नहीं, वह उठना चाहती है, दौड़ना चाहती है।

अब उसके बचपन का बड़ा हिस्सा अस्पतालों, दवाइयों, फिजियोथेरेपी, डायपर, कैथेटर और दूसरों की मदद पर निर्भर हो गया है। शायद इसी मानवीय पीड़ा को महसूस करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में एक ऐसा निर्णय दिया है, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि जब किसी बच्चे का पूरा भविष्य सड़क दुर्घटना में छिन जाए, तब उसकी विकलांगता का आकलन उसके पूरे जीवन पर पड़े प्रभाव से किया जाएगा।

23 जून 2018 को एक पांच वर्षीय बच्ची अपनी मां और दादी के साथ यात्रा कर रही थी। तेज गति से चल रही कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे ने उस बच्ची की रीढ़ की हड्डी को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया और वह स्थायी रूप से लकवाग्रस्त हो गई। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने उसे लगभग 14.84 लाख रुपये का मुआवजा दिया, जिसे बाद में उच्च न्यायालय ने कुछ बढ़ाकर लगभग 20 लाख रुपये के आसपास पहुंचाया, परन्तु प्रश्न यह था कि क्या इतनी राशि उस बच्ची के जीवनभर की चिकित्सा, देखभाल, शिक्षा, रोजगार, आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक जीवन के अधिकार की भरपाई कर पाएगी? इसी गहरे प्रश्न का उत्तर सर्वोच्च न्यायालय ने मानवीय दृष्टि से दिया है। न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने मुआवजे को बढ़ाकर 87.15 लाख रुपये कर दिया और कहा कि क्षतिपूर्ति की गणना के लिए बच्ची की कार्यात्मक विकलांगता 100 प्रतिशत मानी जाएगी। यह निर्णय इसलिए विशेष है क्योंकि न्यायालय ने स्पष्ट किया कि बच्चों के के लिए शरीर के किसी अंग की चिकित्सकीय क्षति को देखना पर्याप्त नहीं है। यदि कोई बच्चा जीवनभर चलने-फिरने, स्वयं बैठने, दैनिक कार्य करने और अपने भविष्य का निर्माण करने की क्षमता खो देता है, तो व्यवहारिक रूप से उसके लिए आय प्राप्त करने की संभावना, स्वतंत्र जीवन और सामान्य बचपन समाप्त हो जाता है, इसलिए ऐसी स्थिति में 'कार्यात्मक विकलांगता' को 100 प्रतिशत मानना ही न्यायोचित होगा।

इस तरह से सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में उस पूरे जीवन को देखा जो अब दुर्घटना के कारण पूरी तरह बदल चुका है। अदालत ने माना कि बच्ची को जीवनभर प्रशिक्षित परिचारक की आवश्यकता होगी। नियमित फिजियोथेरेपी जारी रहेगी। मूत्र असंयम के कारण डायपर और कैथेटर जैसे चिकित्सा उपकरणों पर हर महीने खर्च होगा। उसके माता-पिता पर आर्थिक और मानसिक दोनों प्रकार का स्थायी बोझ रहेगा। न्यायालय ने भविष्य की कमाई की क्षमता को भी ध्यान में रखा और कहा कि बच्चों की 'काल्पनिक आय' का निर्धारण मनमाने ढंग से नहीं किया जा सकता। एक तरह से जिस राज्य में दुर्घटना हुई, वहां 2018 में कुशल श्रमिक के न्यूनतम वेतन को आधार मानते हुए भविष्य की संभावनाओं के साथ आय का आकलन किया गया। यह सिद्धांत इस बात का प्रतीक है कि कानून अब बच्चों के संभावित भविष्य को भी मूल्यवान मानता है। यहां बताएं कि न्यायालय का यह फैसला कोई अकेला निर्णय नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में सर्वोच्च न्यायालय ने बच्चों से जुड़े मोटर दुर्घटना मामलों में लगातार ऐसी संवेदनशील न्यायिक सोच विकसित की है, जिसने क्षतिपूर्ति के पारंपरिक दृष्टिकोण को नई दिशा दी है।

बेबी साक्षी ग्रेओला बनाम मंजूर अहमद सिमोन के मामले में न्यायालय ने यह सिद्धांत स्थापित किया कि नाबालिग बच्चों की काल्पनिक आय का आधार संबंधित राज्य के कुशल श्रमिक का न्यूनतम वेतन होना चाहिए। मई 2026 में 14 वर्षीय पूर्णतः विकलांग बालक के मामले में अदालत ने मुआवजा बढ़ाकर 56.83 लाख रुपये करते हुए कहा कि दुर्घटना के कारण समाप्त हुआ पूरा भविष्य भी न्याय का विषय है।

सात वर्षीय सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चे के मामले में न्यायालय ने कहा कि सिर्फ शारीरिक विकलांगता का प्रतिशत नहीं, बल्कि बचपन का आनंद, शिक्षा, युवावस्था, सामाजिक जीवन और विवाह जैसी संभावनाओं के नष्ट होने को भी क्षतिपूर्ति में शामिल किया जाना चाहिए। कजोल बनाम महाराष्ट्र राज्य जैसे ऐतिहासिक मामले में तो सर्वोच्च न्यायालय ने अत्यंत मार्मिक शब्दों में कहा था कि ऐसी बच्ची अपने मित्रों के साथ खेल नहीं सकेगी, जीवन की सामान्य खुशियों का अनुभव नहीं कर सकेगी और यह क्षति किसी साधारण गणना से नहीं आंकी जा सकती।

बच्चों का अधिकार उन्हें सुरक्षित, स्वस्थ, सम्मानजनक और गरिमापूर्ण जीवन जीने का अधिकार भी है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा के साथ जीवन का अधिकार देता है, जबकि राज्य के नीति-निर्देशक तत्व बच्चों के संरक्षण और उनके समुचित विकास पर विशेष बल देते हैं। ऐसे में जब कोई सड़क दुर्घटना किसी बच्चे के पूरे भविष्य को अंधकार में धकेल देती है, तब न्यायालय का दायित्व हो जाता है कि उस संवैधानिक गरिमा की रक्षा करना जिसके कि ये बच्चे भी सच्चे अधिकारी हैं। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय इसी संवेदनशील संवैधानिक दृष्टि का सशक्त उदाहरण है। यहां न्याय यह सुनिश्चित करता है कि दुर्घटना के बाद उसका शेष जीवन अभाव, असहायता और उपेक्षा में न बीते।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक यात्रा, राष्ट्र की सामूहिक आकांक्षाओं का जीवंत प्रतिबिंब

कैलाश चन्द्र
स्तंभकार

स्वतंत्रता के साथ ही भारत के अनेक जटिल प्रश्न राष्ट्र के समक्ष उपस्थित हुए। इनमें सबसे संवेदनशील और दीर्घकालिक प्रश्न जम्मू-कश्मीर का था। यह केवल किसी राज्य के भारत में विलय का विषय नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, संघीय व्यवस्था, लोकतांत्रिक मूल्यों, अंतरराष्ट्रीय राजनीति और संवैधानिक विकास की ऐसी गाथा थी, जिसने स्वतंत्र भारत की राजनीति और संविधान को सात दशकों तक प्रभावित किया। 5-6 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 के अधिकांश प्रावधानों को निष्प्रभावी करने तथा अनुच्छेद 35 के अप्रभावी होने के साथ इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण अध्याय समाप्त हुआ और एक नया अध्याय प्रारम्भ हुआ।

इस विषय को समझने के लिए केवल 2019 को देखना ही पर्याप्त नहीं है। इसके पीछे 1947 से प्रारम्भ हुई घटनाओं, संविधान सभा की बहसों, राष्ट्रपति के आदेशों, संसद की भूमिका, सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों और जम्मू-कश्मीर की आंतरिक राजनीति का क्रमिक अध्ययन और समझ भी आवश्यक है। 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हुआ। ब्रिटिश भारत के साथ-साथ 565 से अधिक देशी रियासतों को भारत अथवा पाकिस्तान में विलय अथवा अन्य संवैधानिक व्यवस्था का विकल्प मिला। जम्मू-कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने तत्काल किसी भी देश में विलय का निर्णय नहीं लिया। 22 अक्टूबर 1947 को पाकिस्तान समर्थित कबायली आक्रमण ने परिस्थितियों को बदल दिया। श्रीनगर पर संकट गहराने लगा। ऐसे समय महाराजा हरि सिंह ने 26 अक्टूबर 1947 को संधि पत्र (Instrument of Accession) पर हस्ताक्षर कर भारत में विलय स्वीकार किया। भारत सरकार ने 27 अक्टूबर को इसे स्वीकार किया और भारतीय सेना ने सैन्य अभियान प्रारम्भ किया। यह विलय अन्य अनेक रियासतों की तरह वैधानिक था, किन्तु तत्कालीन युद्ध, संयुक्त राष्ट्र में विवाद और स्थानीय राजनीतिक परिस्थितियों के कारण जम्मू-कश्मीर का संवैधानिक एकीकरण क्रमिक रूप से विकसित हुआ। भारतीय संविधान सभा में जम्मू-कश्मीर के लिए विशेष व्यवस्था का प्रारूप तत्कालीन मंत्री एन. गोपालस्वामी आयंगार ने प्रस्तुत किया। प्रारम्भ में इसे अनुच्छेद 306 कहा गया, जो बाद में अनुच्छेद 370 बना। 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के साथ अनुच्छेद 370 प्रभावी हुआ। संविधान में इसे स्पष्ट रूप से 'अस्थायी प्रावधान' (Temporary Provision) के रूप में रखा गया। इसका उद्देश्य यह था कि जब तक जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा राज्य के भारत के साथ संवैधानिक संबंधों पर अंतिम निर्णय न कर दे, तब तक विशेष व्यवस्था बनी रहे। इस व्यवस्था के अंतर्गत रक्षा, विदेश, संचार और विलय-पत्र में उल्लिखित विषयों पर संसद की शक्ति तत्काल लागू थी, जबकि अन्य विषय राष्ट्रपति आदेशों और राज्य सरकार की सहमति से क्रमशः लागू किए जा सकते थे।

दिल्ली समझौता और अनुच्छेद 35A का उद्भव: 1952 का दिल्ली समझौता भारत सरकार और शेख अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के बीच हुआ। इसके आधार पर 14 मई 1954 को राष्ट्रपति ने Constitution (Application to Jammu and Kashmir) Order, 1954 जारी किया।

इसी आदेश द्वारा संविधान में अनुच्छेद 35 जोड़ा गया। यह संविधान संशोधन द्वारा नहीं, बल्कि अनुच्छेद 370(1) के अंतर्गत राष्ट्रपति आदेश से जोड़ा गया। अनुच्छेद 35 ने जम्मू-कश्मीर की विधानसभा को 'स्थायी निवासी' (Permanent Residents) की परिभाषा निर्धारित करने तथा उन्हें विशेष अधिकार देने का अधिकार प्रदान किया। इन अधिकारों में भूमि खरीद, सरकारी नौकरियाँ, छात्रवृत्तियाँ तथा अन्य राज्य-विशिष्ट सुविधाएँ सम्मिलित थीं। समर्थकों का मत था कि इससे राज्य की जनसांख्यिकीय और सांस्कृतिक विशिष्टता संरक्षित हुई। आलोचकों का तर्क था कि इससे समान नागरिकता की अवधारणा प्रभावित हुई तथा महिलाओं, अनुसूचित जातियों और कुछ अन्य समूहों के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

जम्मू-कश्मीर का पृथक संविधान: 1951 में राज्य की संविधान सभा गठित हुई और 26 जनवरी 1957 को जम्मू-कश्मीर का पृथक संविधान लागू हुआ। इस संविधान ने जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग घोषित किया, साथ ही राज्य की अपनी शासन व्यवस्था भी स्थापित की। यह व्यवस्था भारतीय संघवाद में एक विशिष्ट उदाहरण थी, क्योंकि किसी अन्य राज्य का पृथक संविधान नहीं था।

इतिहास से भविष्य की ओर: अनुच्छेद 370 और 35 की यात्रा केवल दो संवैधानिक प्रावधानों की कहानी नहीं है। यह स्वतंत्र भारत की संवैधानिक परिपक्वता, राजनीतिक निर्णयों, सुरक्षा चुनौतियों, न्यायिक समीक्षा और संघीय प्रयोगों की सात दशक लंबी यात्रा है। 5-6 अगस्त 2019 ने इस यात्रा को नया मोड़ दिया है, किन्तु वास्तविक सफलता केवल संवैधानिक परिवर्तन से नहीं मापी जाएगी। इसका मूल्यांकन इस आधार पर होगा कि जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति, लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती, आर्थिक विकास, सामाजिक न्याय, नागरिक अधिकारों की समान सुरक्षा तथा सभी समुदायों का विश्वास किस सीमा तक स्थापित होता है।

इतिहास यह बताता है कि संविधान केवल विधिक दस्तावेज़ नहीं होता; वह राष्ट्र की सामूहिक आकांक्षाओं का जीवंत प्रतिबिंब भी होता है। जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक यात्रा इसी सत्य का एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जहाँ कानून, राजनीति, लोकतंत्र, सुरक्षा और राष्ट्रीय एकीकरण सात दशकों तक एक-दूसरे से जुड़े रहे और आज भी भारतीय लोकतंत्र के विमर्श का महत्वपूर्ण विषय बने हुए हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

बारिश में गीले जूते...फंगल-बैक्टीरियल के अलावा अन्य संक्रमण का खतरा

एक्सपर्ट्स का कहना है किबारिश के मौसम में गीले जूते पहनना पैरों में फंगल और बैक्टीरियल संक्रमण का प्रमुख कारण बन सकता है। नमी और गर्म वातावरण फंगस तथा बैक्टीरिया के तेजी से बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां तैयार करते हैं। ऐसे में आपको एथलीट फुट, नाखून का फंगल संक्रमण और इंटरडिजिटल फंगल इंफेक्शन होने का जोखिम बढ़ जाता है। जो आपके पैरों में दर्द और परेशानी का कारण बन सकता है।

हमारी त्वचा पर सामान्य रूप से कई तरह के सूक्ष्मजीव मौजूद रहते हैं। एनसीबीआई के अनुसार जब पैर लंबे समय तक गीले रहते हैं, तो त्वचा की बाहरी सुरक्षा परत कमजोर होने लगती है। नमी, गर्म वातावरण और ऑक्सीजन की कमी फंगस तथा बैक्टीरिया के लिए आदर्श परिस्थितियां बनाती है। यही कारण है कि मानसून में पैरों के संक्रमण जैसे टिनिया पीडिस के मामले बढ़ जाते हैं। यदि जूते ठीक से सूख नहीं पाते, मोजे बार-बार नहीं बदले जाते या पैरों की सफाई नहीं की जाती, तो संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ सकता है। जिन लोगों को डायबिटीज, कमजोर इम्यूनिटी या अत्यधिक पसीना आने की समस्या होती है, उनमें यह जोखिम और अधिक होता है।

एथलीट फुट: बारिशों के दिनों में या पैरों में पसीने के कारण होने वाला यह सबसे आम फंगल इंफेक्शन होता है। मैयोक्लीनिक के अनुसार इसे टिनिया पीडिस के नाम से भी जाना जाता है। इसकी संक्रमण की शुरुआत मुख्य रूप से पैरों की उंगलियों से होता है, इसमें व्यक्ति को जूते उतारने के बाद खुजली, पैरों में जलन और उंगलियों के बीच में सफेद परत बनती दिखाई देती है। यदि समय रहते इसका इलाज न किया जाए तो इंफेक्शन पूरे तलवे और नाखूनों में फैल सकता है।

नाखूनों का फंगल संक्रमण: पैरों में लगातार नमी बनी रह सकती है। एनसीबीआई के मुताबिक नमी के कारण नाखून मोटे, पीले और टूटने लगते हैं। कई बार नाखून इतने कमजोर हो जाते हैं कि हल्की सी चोट में भी टूट जाते हैं। समय पर ध्यान न दिया जाए तो ऐसे में चलते समय परेशान हो सकती है। फिलहाल यह संक्रमण यदि नाखूनों के अंदर तक चला जाए तो इलाज में ज्यादा समय लग सकता है। एनसीबीआई के अनुसार उंगलियों के बीच लगातार गीलापन रहने से त्वचा गलने लगती है, जिससे फंगस तेजी से बढ़ता है। शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज करने पर दर्द और चलने में तकलीफ हो सकती है। यह एक गंभीर बैक्टीरियल संक्रमण है, जो त्वचा में कट, छाले या दरार के जरिए बैक्टीरिया के प्रवेश करने पर होता है। इसमें पैर लाल, सूजा हुआ, गर्म और दर्द महसूस हो सकता है। यदि बुखार के साथ ये लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

निशाना

आसमां सिर पर उठाना चाहिए था

'मनोज साहू 'निडर'

हुक्मरानों को रिझाना चाहिए था।
आपको सजदे में आना चाहिए था।
अर्जियों की कौन सुनता है यहां पर
जेब में कुछ वज़न लाना चाहिए था।
मॉगने से हक़ यहाँ किसको मिला है?
आसमां सिर पर उठाना चाहिए था।
ये विरासत दे रहे हो पीढ़ियों को?
एक दीपक तो जलाना चाहिए था।
कोई झूठी ही दिलासा बांट देते
कौन सा तुमसे खजाना चाहिए था।

वायरल कंटेंट

दिन में कॉलेज, रात में पेट्रोल पंप पर नौकरी... छात्रा की संघर्ष भरी कहानी से भावुक हुए लोग!

हर इंसान की जिंदगी में कुछ मुलाकातें ऐसी होती हैं, जो लंबे समय तक याद रहती हैं। कभी-कभी किसी अनजान व्यक्ति की मेहनत और सोच हमें अपनी जिंदगी को नए नजरिए से देखने पर मजबूर कर देती है। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक कॉलेज छात्रा की कहानी लोगों का दिल छू रही है। पढ़ाई के साथ नौकरी करने वाली इस लड़की ने अपने संघर्ष और आत्मनिर्भरता से हजारों लोगों को प्रेरित किया है।

वायरल हो रही इस कहानी के मुताबिक, एक व्यक्ति रात के समय ट्रैफिक जाम से परेशान होकर अपनी कार में पेट्रोल भरवाने एक पेट्रोल पंप पर पहुंचा। वहां जो हुआ, उसने उसकी सोच ही बदल दी। पेट्रोल भर रही एक युवती से बातचीत के दौरान उसे पता चला कि वह कॉलेज की छात्रा है। वह अपने परिवार पर आर्थिक बोझ नहीं डालना चाहती, इसलिए पढ़ाई के साथ-साथ पेट्रोल पंप पर नौकरी भी करती है। दिन में कॉलेज की कक्षाएं अटेंड करने के बाद शाम को वह काम पर पहुंच जाती है और देर रात तक अपनी ड्यूटी निभाती है।

उसकी बातें सुनकर वह व्यक्ति काफी प्रभावित हुआ। उसने महसूस किया कि छोटी-छोटी बातों को लेकर लोग अक्सर शिकायत करते हैं, उनके मुकाबले कुछ लोग बिना किसी शिकायत के अपनी परिस्थितियों से लड़ते हुए आगे बढ़ रहे हैं. छात्रा के चेहरे पर न निराशा थी और न ही किसी तरह की शिकायत. उसके शब्दों में केवल अपने सपनों को पूरा करने का आत्मविश्वास दिखाई दे रहा था। उस व्यक्ति ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि इस मुलाकात ने उसे एहसास कराया कि असली ताकत मुश्किल परिस्थितियों में भी मुस्कुराकर मेहनत करते रहने में होती है। उसने यह भी कहा कि अगर भविष्य में छात्रा को किसी तरह की मदद की जरूरत होगी, तो वह हरसंभव सहयोग करने की कोशिश करेगा।

यह कहानी इंटरनेट पर सामने आने के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने छात्रा के जज्बे की सराहना की। कई यूजर्स ने लिखा कि ऐसे युवा समाज के लिए प्रेरणा हैं, जो अपनी जिम्मेदारियों से भागने के बजाय उनका सामना करते हैं। कुछ लोगों ने छात्रों के लिए पार्ट-टाइम नौकरी के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की भी बात कही।

अजब - गजब

बीचों-बीच टूटकर पानी में झुका पुल, फिर भी लगातार गाड़ियां दौड़ाते हैं लोग

दुनियाभर में कई ऐसे अजीबोगरीब ब्रिज हैं, जिन्हें देखकर हैरानी होती है। इनमें से किसी पुल के ऊपर से नहर और नीचे से नदी गुजरती है, तो कोई सीधी ऊंचाई पर ले जाता है। वहीं, कोई पुल नदी के ऊपर बिना खंभों के लकड़ी के सहारे टिका हुआ है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे ब्रिज के बारे में बताने जा रहे हैं, जो तूफान की वजह से बीचों-बीच धंस गया। ऐसे में इससे गुजरने पर सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन इसके बावजूद तेज रफ्तार में लोग कार लेकर गुजरते हैं। हम बात कर रहे हैं यूरोपीय देश ग्रीस के थेसाली क्षेत्र के पिनियोस नदी पर बने पलाइओपिर्गोस पुल की, जो आधिकारिक तौर पर कई साल पहले आई प्राकृतिक आपदा में ढह चुका है और कागजों में पूरी तरह से बंद घोषित है। इसके बावजूद, स्थानीय लोग अपनी जान हथेली पर रखकर इस टूटे और बीच से बुरी तरह झुके हुए पुल से अपनी गाड़ियां पार करा रहे हैं।

सितंबर 2023 में विनाशकारी डेनियल तूफान ने ग्रीस, बुल्गारिया और तुर्की में भारी तबाही मचाई थी। इस तूफान और बाढ़ के कारण ग्रीस के इंफ्रास्ट्रक्चर को भारी नुकसान पहुंचा था और अकेले थेसाली क्षेत्र में ही 79 पुल क्षतिग्रस्त हो गए थे। इन्हीं में से एक था पिनियोस नदी पर बना पलाइओपिर्गोस पुल। बाढ़ के बहाव में यह पुल बीच से टूटकर नीचे धंस गया था। तबाही के बाद ग्रीस सरकार ने इस पुल को यातायात के लिए पूरी तरह से अयोग्य घोषित कर दिया था। वर्तमान में इस पुल का मध्य भाग नदी के पानी से महज कुछ ही इंच ऊपर है और यह किसी भी क्षण पूरी तरह से पानी में समा सकता है। हालांकि, प्रशासन की सबसे बड़ी लापरवाही यह रही कि उन्होंने चेतावनी के बोर्ड तो लगा दिए, लेकिन पुल के दोनों सिरों पर मजबूत बैरिकेडिंग या नाकेबंदी नहीं की, जिसके कारण लोगों को इस खतरनाक पुल पर चढ़ने का सीधा रास्ता मिल जाता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रोज दर्जनों गाड़ियां इस टूटे पुल पर धीमी रफ्तार में किसी एडवेंचर गेम की तरह संतुलन बनाते हुए गुजरती हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे ऐसा मजबूरी में कर रहे हैं। इस पुल के बंद होने से टेम्पी और अगिया नगर पालिकाओं का संपर्क टूट जाता है। यदि लोग वैकल्पिक और सुरक्षित रास्ते का इस्तेमाल करते हैं, तो उन्हें बहुत लंबा चक्कर लगाना पड़ता है, जिससे उनका काफी कीमती समय और महंगा पेट्रोल-डीजल बर्बाद होता है।

न्यूज विंडो

व्यापारी संघ ने शिवराज सिंह चौहान से की मुलाकात, शीघ्र समाधान का मिला भरोसा

गंजबासौदा। क्षेत्र के व्यापारियों की वर्षों पुरानी मंडी मुआवजा संबंधी मांग को लेकर अनाज तिलहन व्यापारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक हरिसिंह रघुवंशी के प्रयासों से केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने पुरानी मंडी से जुड़े मुआवजे के लंबित प्रकरण को विस्तार से रखते हुए शीघ्र निराकरण की मांग की। मुलाकात के दौरान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रतिनिधिमंडल की बात गंभीरता से सुनी और संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर मामले के उचित एवं शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। संघ के पदाधिकारियों ने इस पहल का श्रेय विधायक हरिसिंह रघुवंशी को देते हुए कहा कि उन्होंने व्यापारियों की मांग को प्राथमिकता देते हुए प्रभावी ढंग से केंद्रीय कृषि मंत्री के समक्ष रखा। व्यापारियों ने विधायक की सक्रियता और जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। अंत में अनाज तिलहन व्यापारी संघ ने विधायक हरिसिंह रघुवंशी एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि पुरानी मंडी मुआवजे के लंबित प्रकरण का शीघ्र समाधान होगा, जिससे क्षेत्र के व्यापारियों को बड़ी राहत मिलेगी।

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर पटवारियों की कलम बंद हड़ताल शुरू

गंजबासौदा। मध्यप्रदेश पटवारी संघ, भोपाल के आह्वान पर सोमवार से प्रदेशभर में पटवारियों की अनिश्चितकालीन कलम हड़ताल शुरू हो गई। इसी क्रम में तहसील के पटवारियों ने तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए अपनी पांच सूत्रीय मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग की। पटवारी संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि हड़ताल के चलते सोमवार से राजस्व विभाग के सभी ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कार्य पूरी तरह बंद रहेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती, तब तक कलमबंद हड़ताल जारी रहेगी। संघ की प्रमुख मांगों में पटवारी कैडर रिव्यू लागू कर पदोन्नति एवं समयमान वेतनमान का लाभ देना, नायब तहसीलदार की विभागीय परीक्षा शीघ्र आयोजित करना, जज प्रोटेक्शन एक्ट के दायरे में पटवारियों को शामिल करना, लंबित वित्तीय भुगतानों का शीघ्र निराकरण तथा पदाधिकारियों के नियम विरुद्ध किए गए स्थानांतरणों को निरस्त करना शामिल है। पटवारी संघ ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और अधिक व्यापक रूप दिया जाएगा। हड़ताल के कारण राजस्व विभाग के विभिन्न कार्य प्रभावित होने की संभावना है।

जेसीबी से ओटा हटाकर जमीन पर कब्जे का आरोप, किसान ने थाने में की शिकायत

रतलाम। ग्राम धरोला निवासी एक किसान ने पड़ोसी किसानों पर जेसीबी से खेत की सीमा पर बना वर्षों पुराना ओटा हटाकर जमीन पर कब्जा करने तथा निजी भूमि पर लगे बंबूल के पेड़ को उखाड़ने का आरोप लगाते हुए पुलिस थाना आलोट में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस से मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायतकर्ता शिवनारायण रावल ने आवेदन में बताया कि उनकी कृषि भूमि ग्राम धरोला स्थित गुराड़िया मार्ग पर सर्वे नंबर 382/562/2, रकबा 0.671 हेक्टेयर है। उनके अनुसार उनकी एवं पड़ोसी की भूमि के बीच वर्षों से मिट्टी का ओटा बना हुआ था, जिसके समीप उनकी निजी भूमि पर पुराना हरा-भरा बंबूल का पेड़ भी खड़ा था। आवेदन के अनुसार 19 जून की रात कथित रूप से जेसीबी मशीन की सहायता से ओटा हटाकर उसकी मिट्टी उनकी भूमि में डाल दी गई तथा ओटे वाली भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया गया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि बंबूल के पेड़ को भी उखाड़कर दूसरी ओर डाल दिया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि 20 जून की सुबह खेत पर पहुंचने पर उन्हें घटना की जानकारी हुई। इसके बाद जब उन्होंने पड़ोसियों से इस संबंध में बात की तो उनके साथ गाली-गलौज, विवाद और धमकी दी गई।

स्वदेशी अपनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता, विद्यार्थी बनें आत्मनिर्भर

सिरोंज। स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वावलंबी भारत अभियान के तत्वावधान में उप तहसील पथरिया स्थित ज्ञानकुंज हायर सेकेंडरी स्कूल में मैं भी स्वदेशी समर्थक अभियान के अंतर्गत स्वदेशी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्वदेशी, स्वावलंबन और आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा से जोड़ते हुए देशी उत्पादों के उपयोग का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती, स्वामी विवेकानंद एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में स्वदेशी जागरण मंच के विभाग सह संयोजक चरण सिंह रघुवंशी मुख्य अतिथि, विभाग युवा आयाम प्रमुख तरुण यादव मुख्य वक्ता, जिला सहसंयोजक प्रमोद रघुवंशी, विद्यालय संचालक राजीव रघुवंशी तथा टीकाराम शाक्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्य वक्ता तरुण यादव ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में स्वदेशी अपनाना देश की प्रमुख आवश्यकता बन गया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक आत्मनिर्भरता ही सशक्त भारत की पहचान है और प्रत्येक नागरिक को स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देकर राष्ट्रहित में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने स्वदेशी के प्रति निष्ठा व्यक्त करते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने तथा स्वदेशी उत्पादों के अधिकाधिक उपयोग का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रेलवे स्टेशन पर महाकाल के दर्शन करने उज्जैन जाने उमड़ी भक्तों की भीड़

रेल यात्री हुए बेकाबू, सीट नहीं मिली तो ट्रेन पर किया पथराव, कोच का शीशा टूटा, एक घायल

गुना/राजगढ़। दोपहर मेट्रो

बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन जाने वाले यात्रियों की भीड़ ने गुना के चांचौड़ा-बीनागंज स्टेशन पर हंगामा कर दिया। ट्रेन में चढ़ने की जगह नहीं मिलने से नाराज यात्रियों ने ट्रेन पर पथराव कर दिया। इसमें एसी कोच का कांच फूट गया। हादसे में बुजुर्ग महिला बाल-बाल बची। जीआरपी ने इस मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच में लिया है। आरपीएफ के अनुसार, भिंड रतलाम एक्सप्रेस ट्रेन में सावन की वजह से बड़ी संख्या में उज्जैन स्थित बाबा महाकाल के दर्शनों के लिए जाने श्रद्धालु स्टेशन पहुंचे थे। जहां जैसे ही स्टेशन पर ट्रेन आकर रुकी तो पहले से ही उसमें पैर रखने की भी जगह नहीं थी। इससे नाराज होकर श्रद्धालुओं ने पहले स्टेशन पर हंगामा करते हुए जबरन स्लीपर व एसी कोचों में घुसने की कोशिश की।

आरक्षित कोचों के अंदर के गेट लगे होने से नाराज यात्रियों की भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने ट्रेन पर पथराव कर दिया। पथराव के दौरान एक पत्थर सीधे फर्स्ट एसी कोच एच 1 में जाकर लगा। यह पथराव कांट फोड़ते हुए सीधे सीट पर जा गिरा। सीट पर सफर कर रही एक बुजुर्ग महिला इस हमले में बाल-बाल बच गई। ट्रेन में भीड़ ज्यादा होने से बीनागंज-चांचौड़ा स्टेशन

पर 60 यात्रियों ने सफर नहीं कर पाने की वजह से टिकिट वापस किए। उधर घटना के बाद आरपीएफ ब्यावरा ने इस मामले में रेलवे एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया है। ट्रेन में भीड़ ज्यादा होने से बीनागंज- चांचौड़ा स्टेशन पर 60 यात्रियों ने सफर नहीं कर पाने की वजह से टिकिट वापस किए। उधर घटना के बाद आरपीएफ ब्यावरा ने इस मामले में रेलवे एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया है।

घटना से कोच में अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों में दहशत फैल गई। घटना पर यात्रियों ने तुरंत चेन पुलिंग (जंजीर खींच) कर ट्रेन रुकवाई। साथ ही घटना की सूचना तुरंत गुना पुलिस व राजगढ़ कंट्रोल रूम को दी गई। इसके बाद मौके पर यांचौड़ा थाने का फोर्स पहुंचा और पीड़ित यात्रियों सहित हंगामा कर रहे यात्रियों को किसी तरह से संभाला। वहीं ट्रेन में मौजूद टीटीई और रेलवे स्टाफ ने मुस्तैदी दिखाते हुए प्रभावित यात्रियों की बर्थ बदलवाई और ट्रेन को आगे बढ़वाया। इस दौरान करीब आधा घंटे तक स्टेशन पर ट्रेन खड़ी रही।

आरोपियों पर केस दर्ज

ब्यावरा आरपीएफ चौकी प्रभारी धर्मपाल सिंह ने बताया कि महाकाल के दर्शन करने जा रहे यात्रियों को जगह नहीं मिलने पर भीड़ ने ट्रेन पर पथराव किया है। ट्रेन के फर्स्ट ऐसी कोच का शीशा फूट गया और एक बुजुर्ग महिला यात्री भी बाल बाल बच गई। हमने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रेलवे एक्ट 153 के तहत केस दर्ज कर जांच में लिया है।

क्षमता से कई गुना ज्यादा थी भीड़

उज्जैन जाने वाली ट्रेनों में क्षमता से कई गुना अधिक भीड़ थी। प्लेटफॉर्म पर लगातार धक्का मुक्की और ट्रेन में चढ़ने की होड़ लगी रही। ट्रेन आने के दौरान बीनागंज चाचौड़ा स्टेशन मास्टर ने लगातार उद्घोषणा कर यात्रियों से ट्रेन में जगह नहीं होने के कारण जबरन न चढ़ने की अपील की। लेकिन कई लोग ट्रेन में चढ़ने की कोशिश करते रहे। बाद में ट्रेन चली तो किसी ने पत्थर फेंका। रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि भीड़ के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन करें। घायल यात्री से हमने संपर्क किया, लेकिन उन्होंने चोट सामान्य बताई और उपचार कराने से इनकार कर दिया। सूचना मिलते ही टीम बीनागंज-यौंड़ा स्टेशन पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया है। मामले की जांच कर रहे हैं।

सीवर लाइन के पाइप के नीचे दबने से बच्ची की मौत

मुरैना दोपहर मेट्रो

घर के बाहर बच्चों के साथ खेलते समय चार वर्षीय मासूम अंशिका दर्दनाक हादसे का शिकार हो गई। स्थानीय लोगों में हादसे को लेकर नाराजगी और बढ़ गई है। उनका कहना था कि यदि पहले ही सुरक्षा के ऐसे इंतजाम किए गए होते तो हादसा नहीं होता। वार्ड पार्षद डेविड ने बताया कि अंशिका अपने पिता धर्मेंद्र वाल्मीक की इकलौती बेटी थी। परिवार के लोगों का कहना है कि अब वे किसको टॉफी खिलाएंगे। परिवार में उससे छोटा एक भाई है, जो अंशिका की मौत के बाद से लगातार रो रहा है। परिवार वालों ने नगर निगम से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवार को उचित सहायता देने की मांग की है।

एमपी के मुरैना मेंकोतवाली थाना क्षेत्र की सिंगल बस्ती में एक दर्दनाक हादसे में चार वर्षीय मासूम अंशिका की सीवर लाइन के भारी पाइप के नीचे दबने से मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब वह घर के बाहर अन्य बच्चों के साथ खेल रही थी। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 8.30 बजे सड़क किनारे रखा सीवर लाइन का भारी पाइप अचानक लुढ़ककर अंशिका के ऊपर आ गिरा। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल उसे निकालने का प्रयास

किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और नगर निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे। नगर निगम आयुक्त सत्येंद्र सिंह धाकरे ने कहा कि घटना अत्यंत दुखद है। मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। इंजीनियरों की टीम मौके पर पहुंचकर सभी पहलुओं की जांच कर रही है। यदि जांच में ठेकेदार या किसी अधिकारी की लापरवाही सामने आती है तो नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। आरोप लगाया कि सीवर लाइन का मृतका के चाचा विजय वाल्मीक ने पाइप पिछले करीब छह माह से घर के बाहर असुरक्षित तरीके से रखा हुआ था। इसे हटाने के लिए कई बार ठेकेदार और नगर निगम अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि समय रहते पाइप हटाया जाता तो मासूम की जान बच सकती थी। घटना के बाद पाइप दोबारा न लुढ़के, इसके लिए उसके आगे पत्थर लगाए गए। आसपास के लोगों का कहना है कि बार-बार इसकी शिकायत की गई लेकिन किसी ने ध्यान ही नहीं दिया। जिस जगह पाइप रखा था, वहां रोज बच्चे खेलते थे और कभी भी हादसा हो सकता था। बच्ची की मौत के बाद अब शायद प्रशासन जाग जाए।

बाघिन को भोपाल के वन विहार भेजा गया

मंडला। दोपहर मेट्रो

कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन में एक महिला की जान लेने वाली बाघिन को वन विभाग की टीम ने हाथियों की मदद से पकड़कर भोपाल के वन विहार भेजा गया है। यहां बता दें कि गत 2 अगस्त की देर रात बालाघाट जिले के पर्रापुर (स्कूल टोला) गांव में बाघिन के हमले से सुगनी बाई बैगा नाम की महिला की मौत हो गई थी। घटना के बाद वन विभाग ने कैमरा ट्रैप और गश्त बढ़ाकर जांच शुरू की। सर्चिंग के दौरान 14 साल की बाघिन टी-27 (डीजे) गांव के आसपास घूमती पाई गई, जो घटना के बाद भी इंसानों और मवेशियों के करीब आने की कोशिश कर रही थी।

पांढुर्णा में बिजली के एक पोल में तेज धमाका, आग लगी

पांढुर्णा। दोपहर मेट्रो

पांढुर्णा के टेकड़ी वार्ड में मंगलवार की सुबह को बिजली के एक पोल में तेज स्पार्किंग के बाद धमाके के साथ आग लग गई। इस घटना से क्षेत्र में करीब दो घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही और बिजली का केबल जल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, श्रीसंत जगनाड़े महाराज सभागृह के सामने स्थित पोल से पहले चिंगारियां निकलनी शुरू हुईं। कुछ ही देर में जोरदार आवाज के साथ आग भड़क उठी।

वसूली को लेकर सवाल, नपा से पूछा-

पार्किंग की अनुमति है या सड़क पर वसूली का ठेका?

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक में जैन मंदिर, नर्मदा कुंड और कपिलधारा सहित विभिन्न स्थानों पर पार्किंग के नाम पर सड़क किनारे वाहनों से राशि वसूले जाने को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि निर्धारित पार्किंग स्थल के बजाय सड़क पर खड़े होकर शुल्क वसूला जा रहा है, तो नगर पालिका ने ठेकेदार को इसकी अनुमति किस नियम के तहत दी है। आरोप है कि वाहन चालकों को नगर पालिका के नाम से ऐसी रसीदें दी जा रही हैं, जिनकी वैधता और प्राधिकृत होने पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों ने मांग की है कि नगर पालिका सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करे कि संबंधित रसीदें अधिकृत हैं या नहीं, किस ठेकेदार को जारी की गई हैं और उनके आधार पर वसूली किस स्थान पर की जा सकती है। मामले में नगरीय प्रशासन एवं पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। ठेका आदेश, पार्किंग स्थल की सीमा, निर्धारित शुल्क और वसूली की शर्तें सार्वजनिक की जाएं। यदि कहीं फर्जी या अनधिकृत रसीदों के माध्यम से वसूली हो रही है, तो इसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए।

स्टेशन पर सुरक्षा बेपटरी, ट्रेन के इंतजार में ट्रैक पर उतर रहे यात्री

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

स्थानीय रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की जल्दबाजी अब चिंता का विषय बनती जा रही है। प्लेटफॉर्म बदलने के लिए बनाए गए फुटओवर ब्रिज को नजरअंदाज कर लोग सीधे रेलवे पटरियों पर उतर रहे हैं। कई यात्री तो ट्रेन आने से पहले ही ट्रैक पर खड़े होकर उसका इंतजार करते दिखाई देते हैं। यह लापरवाही न केवल रेलवे नियमों का उल्लंघन है, बल्कि हर पल किसी बड़े हादसे को भी खुला न्योता दे रही है। सबसे चिंताजनक स्थिति मेमू ट्रेन के आगमन और प्रस्थान के समय देखने को मिलती है। सुबह-शाम के व्यस्त समय में नौकरीपेशा लोग, ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले यात्री समय बचाने की जल्दबाजी में अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म तक पहुंचने के लिए लोग ट्रैक पर उतर जाते हैं, जबकि उसी समय किसी भी दिशा से ट्रेन आने की संभावना बनी रहती है। रेलवे स्टेशन पर लगातार

उद्घोषणाएं होती हैं कि यात्री पटरियां पार न करें और केवल फुटओवर ब्रिज का उपयोग करें। चेतावनी बोर्ड भी लगे हैं, लेकिन उनका असर दिखाई नहीं देता। तस्वीर में भी साफ देखा जा सकता है कि कई यात्री ट्रैक पर खड़े हैं, जबकि सामने ट्रेन भी आ रही है। ऐसे हालात कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस लापरवाही पर अंकुश नहीं लगाया गया तो किसी दिन एक छोटी-सी चूक खुशियां छीन सकती है। लोगों ने रेलवे प्रशासन, आरपीएफ और जीआरपी से स्टेशन पर नियमित निगरानी बढ़ाने, नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई करने और यात्रियों में जागरूकता बढ़ाने की मांग की है।

मेट्रो एंकर

गृहपति अवतार की कथा ने श्रद्धालुओं को किया भावविभोर

शिव के 84 अवतार चरित्र वर्णन में भक्ति, तप और अटूट विश्वास का दिया संदेश

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

श्रावण मास के पावन अवसर पर श्री राम जानकी मंदिर, खेड़ापति गौधाम में आयोजित 27 दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं शिव के 84 अवतार चरित्र वर्णन के अंतर्गत सोमवार को पाँचवें दिवस की कथा में भगवान शिव के गृहपति अवतार का दिव्य एवं प्रेरणादायी प्रसंग सुनाया गया। शिव कथा वाचक पं. धर्मेन्द्र भार्गव ने कथा का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति और आस्था के महत्व से अवगत कराया। कथा में बताया गया कि महर्षि विश्वानर एवं उनकी धर्मपत्नी शुचिष्मती की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने स्वयं उनके पुत्र रूप में अवतार लेने का वरदान दिया। समय आने पर दिव्य तेज से युक्त बालक गृहपति का जन्म हुआ। देवर्षि नारद ने भविष्यवाणी की कि बारहवें वर्ष में अग्नि अथवा विद्युत से उनके जीवन पर संकट आएगा। यह सुनकर माता-पिता चिंतित हो उठे,

लेकिन बालक गृहपति ने भगवान शिव की आराधना का अटूट संकल्प लेकर काशी में कठोर तपस्या प्रारंभ कर दी। पं. भार्गव ने बताया कि गृहपति की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव स्वयं प्रकट हुए। इससे पूर्व देवराज इन्द्र ने उनकी तपस्या भंग करने का प्रयास किया, लेकिन गृहपति अपने संकल्प से तनिक भी विचलित नहीं हुए। भगवान शिव ने उन्हें अभयदान प्रदान करते हुए अग्नितत्त्व का अधिष्ठाता बनने का दिव्य वरदान दिया। कथावाचक ने कहा कि गृहपति अवतार मनुष्य को यह प्रेरणा देता है कि सच्ची श्रद्धा, अटूट विश्वास, संयम और तपस्या के बल पर जीवन के बड़े से बड़े संकट को भी परास्त किया जा सकता है। भगवान शिव अपने सच्चे भक्तों की हर परिस्थिति में रक्षा करते हैं और उन्हें यश, तेज तथा आध्यात्मिक उन्नति का आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

कथा के समापन पर श्रद्धालुओं ने पार्थिव शिवलिंग निर्माण, विधि-विधान से पूजन एवं महाआरती में सहभागिता कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा के दौरान पूरा वातावरण शिवमय बना रहा और श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर नजर आए।

हाईवे और शहर की सड़कों पर मवेशियों का जमावड़ा, बढ़ा हादसे का खतरा

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा मवेशियों की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। नगर की प्रमुख सड़कों से लेकर स्टेट हाईवे-जबलपुर-दमोह मार्ग ,तारादेही मार्ग, सागर-रहली-झलौन मार्ग सहित अन्य संपर्क मार्गों पर दिन-रात मवेशियों के झुंड रहते हैं। इससे वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तथा आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद प्रशासन द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। शाम ढलते ही हाईवे और मुख्य मार्गों पर मवेशियों का जमावड़ा लग जाता है, जो सुबह तक बना रहता है। रात के समय ये मवेशी अचानक वाहनों के सामने आ जाते हैं, जिससे गंभीर हादसों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। हाल ही में शनिवार शाम तेंदूखेड़ा से लौट रहे एक व्यक्ति का पुल के पास मवेशी से टकराने के कारण गंभीर दुर्घटना में घायल होने के बाद उसे जबलपुर रेफर करना पड़ा। सबसे अधिक समस्या 27 मील , पांजी, सांगा, बम्हौरी, बगदरी, तारादेही चौराहा, चौरई, धनगौर एवं समनापुर क्षेत्र में देखी जा रही है। कई स्थानों पर गौशालाओं का अभाव है इसके चलते आवारा मवेशी सड़कों पर ही डेरा जमाए रहते हैं। कई बार वाहन चालक मवेशियों को हटाकर ही आगे बढ़ पाते हैं। नगर के मुख्य बाजारों और चौराहों पर भी आवारा पशुओं के कारण जाम की स्थिति बनती रहती है। दुर्घटनाओं में न केवल लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है, बल्कि बड़ी संख्या में मवेशी भी वाहनों की चपेट में आकर दम तोड़ रहे हैं। नगर के नागरिक महेश मंगलम कपिल गोटिया आशीष श्रीजी गोलू साहू पुष्पेंद्र यादव ने प्रशासन से मांग की है कि आवारा मवेशियों को तत्काल गौशालाओं में शिफ्ट कराया जाए, तथा हाईवे और नगर की सड़कों को सुरक्षित बनाने के लिए नियमित अभियान चलाया जाए, ताकि दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

न्यूज विंडो

35 लाख रुपए और आरोपी दोनों गायब 5 दिन से लखनऊ में डेरा डाले बैठी पुलिस

सिवनी। सिवनी के छपारा थाना क्षेत्र में व्यापार के नाम पर फिल्मी अंदाज में लाखों रुपए की ठगी मामले में पुलिस ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ में डेरा डाल दिया है। छपारा निवासी कारोबारी वैभव शिवहरे से कथित व्यापारियों ने सुपाड़ी सप्लाई का झांसा देकर 35 लाख रुपए ठग लिए थे। छपारा पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि पुलिस आरोपियों के धड़पकड़ के लिए पांच दिनों से उत्तर प्रदेश के लखनऊ में डेरा डाले हुए हैं। पुलिस को आरोपियों के घर की भी जानकारी हो गई है। पुलिस ने घर पर भी दबिश दी, लेकिन वे वहां से भी फरार बताए जा रहे हैं। आरोपियों के मोबाइल नंबर भी बंद आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार छपारा निवासी वैभव शिवहरे कंस्ट्रक्शन सप्लाई एवं अंतर्राष्ट्रीय सामग्री सप्लाई का कारोबार करता है। उसे बांग्लादेश की कंपनी अभिराज इंटरप्राइजेज से 100 मीट्रिक टन सुपाड़ी सप्लाई का ऑर्डर मिला था। 6 जुलाई को वैभव के पास एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को महाराष्ट्र के सांगली स्थित श्री बालाजी ट्रेडर्स का संचालक धीरज पाटिल बताया। उसने वॉट्सएप पर सुपाड़ी के सैंपल की तस्वीरें भेजी। सैंपल पसंद आने पर दोनों के बीच 2.20 लाख रुपए प्रति टन की दर से 100 मीट्रिक टन सुपाड़ी का करीब 2.20 करोड़ रुपए का सौदा तय हुआ। आरोपी ने सप्लाई के लिए 20 प्रतिशत अग्रिम राशि की मांग की। इस पर वैभव ने उसके बताए बैंक खाते में तीन किश्तों में 35 लाख रुपए जमा करा दिए। इसके बाद वैभव 19 जुलाई को महाराष्ट्र के सांगली गया।

ट्रैक्टर से कुचलकर चाचा की हत्या भतीजा घायल; दो पर केस दर्ज

शहडोल। जिले के देवलोंद थाना क्षेत्र के ग्राम धरी नंबर-01 में पुरानी रंजिश के चलते हुई वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, गांव में कुछ समय से चले आ रहे विवाद के बीच दो आरोपियों ने घर के सामने बैठे चाचा-भतीजे पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। घटना में रामप्रताप कोरी (45) की गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई, जबकि उनके भतीजे दुर्गा कोरी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए बाणसागर परियोजना चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही देवलोंद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वारदात के बाद अस्पताल और गांव में तनाव की स्थिति बन गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल पहुंच गए, जिसके चलते एहतियात के तौर पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। मृतक के परिजनों का आरोप है कि यह हादसा नहीं बल्कि पुरानी रंजिश के चलते की गई सुनियोजित वारदात है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद मामले में हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि मामले में आरोपी आकाश बैस और मयंक कोरी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। दोनों आरोपी घटना के बाद से फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। फिलहाल गांव में पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति न बने।

विदिशा जिले के ककरुआ गांव का मामला, हर रोज जिंदगी का रिस्क!

खतरों से कम नहीं स्कूल पहुंचना जरा सी चूक और बड़ा हादसा

विदिशा। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के विदिशा में बच्चों को स्कूल जाने के लिए हर रोज जान दांव पर लगानी पड़ती है। मामला ककरुआ गांव का है। बच्चे उफनती बेतवा नदी पर बने स्टॉप डैम के संकरे मोहरों पर छलांग लगाते हुए आगे बढ़ते हैं। जरा सी चूक और जान का जोखिम। दरअसल यहां स्थित सरकारी स्कूल केवल 8वीं तक है। आगे की पढ़ाई के लिए बच्चों को करीब 13 किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। सड़क मार्ग से स्कूल जाने के लिए उन्हें रोजाना लंबा सफर तय करना पड़ता है जबकि स्टॉप डैम पार करने पर यह दूरी सिर्फ डेढ़ किमी रह जाती है। इसी वजह से बच्चे रोजाना शॉर्टकट लेते हुए जान जोखिम में डाल डैम पार कर स्कूल पहुंचते हैं।

ककरुआ गांव से 9वीं में पढ़ने वाले करीब 9 बच्चे रोजाना स्कूल जाते हैं, जिनमें से पांच लड़कियां हैं। यह गांव पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के संसदीय क्षेत्र में आता है। ग्रामीणों ने कहा कि स्टॉप डैम पर 10 से 12 मोहरे हैं। डैम के दूसरी ओर जाने के लिए इन्हें छलांग लगाकर पार करना होता है। एक हिस्सा टूटा हुआ है, जहां घुटनों तक पानी होता है। बरसात के दिनों में ये मोहरें और खतरनाक हो जाते हैं, जब इनपर फिसलन हो जाती है और नदी का जलस्तर बढ़ जाता है। जिला शिक्षा अधिकारी एनके अहिरवार ने इस बारे में कहा कि उन्होंने मौके पर जाकर मुआयना किया और इस संबंध में कलेक्टर को सूचित किया। उन्होंने अपने अधिकारियों से लिखित में इसका समाधान करने का निवेदन किया है।

बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दें

एक ग्रामीण ने कहा कि स्कूल के समय हम खेतों में काम कर रहे होते हैं, लिहाजा हम रोजाना 13 किलोमीटर दूर बच्चों को लाना-ले जाना नहीं कर सकते हैं। इसी वजह से बच्चे जान जोखिम में डाल इस तरह स्कूल जाते हैं। हमारे पास दो विकल्प हैं, या तो हम अपने बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दें या फिर उन्हें ऐसे ही जानें दें, ये जानते हुए कि यह खतरनाक है। ग्रामीणों ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा के लिए स्थायी पुल का निर्माण जरूरी है ताकि उन्हें जान जोखिम में डालकर स्कूल न जाना पड़े।

शादी का वादा कर युवती के साथ किया दुष्कर्म आरोपी पर मामला दर्ज

उमरिया। दोपहर मेट्रो

जिले के मानपुर थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर मानपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना सामने आने के बाद इलाके में इसकी चर्चा बनी हुई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान उदयभान पिता रामसरोवर यादव, निवासी ग्राम रक्शा, थाना मानपुर के रूप में हुई है। आरोप है कि उदयभान यादव ने युवती से विवाह करने का भरोसा दिलाकर उसके साथ संबंध बनाए। पीड़िता का कहना है कि आरोपी लगातार उसे शादी का विश्वास दिलाता रहा, जिसके कारण उसने उस पर भरोसा किया। लेकिन बाद में आरोपी ने विवाह करने से इनकार कर दिया। खुद को ठगा महसूस करने के बाद पीड़िता ने मानपुर थाना पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म सहित संबंधित धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पीड़िता के बयान दर्ज किए जा चुके हैं और मामले से जुड़े सभी तथ्यों की बारीकी से जांच की जा रही है। साथ ही कानूनी प्रक्रिया के तहत आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण एवं अन्य साक्ष्य एकत्र करने की कार्रवाई भी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान यदि आरोपों की पुष्टि होती है तो आरोपी के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की विवेचना जारी है और पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है।

बिजली के खंभे पर बिना अनुमति पोस्टर लगाने का आरोप

बिजली कंपनी की भूमिका पर उठ रहे सवाल

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक में बिजली के खंभों पर पोस्टर एवं प्रचार सामग्री लगाए जाने का मामला सामने आया है। बिजली के खंभे पर लगा पोस्टर तस्वीरों में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। इसके बाद नगर परिषद की विज्ञापन अनुमति व्यवस्था और बिजली कंपनी की भूमिका को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मामला सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या संबंधित पोस्टर लगाने के लिए अमरकंटक नगर परिषद से विधिवत विज्ञापन अनुमति ली गई थी? यदि अनुमति दी गई थी तो उसके लिए निर्धारित विज्ञापन शुल्क कितना जमा कराया गया और अनुमति किस स्थान एवं कितने समय के लिए जारी की गई।

वहीं, यदि प्रचार सामग्री बिजली के खंभे पर लगाई गई है तो यह भी जांच का विषय है कि संबंधित विद्युत वितरण कंपनी से खंभे के उपयोग के लिए आवश्यक अनुमति ली गई थी या नहीं। मध्यप्रदेश में बाहरी विज्ञापन एवं प्रचार सामग्री को निर्धारित नियमों और अनुमति प्रक्रिया के अधीन रखा गया है। ऐसे में सार्वजनिक संपत्ति एवं विद्युत अधोसंरचना पर प्रचार सामग्री लगाए जाने के मामले में संबंधित विभागों द्वारा नियमों की जांच किया जाना जरूरी है। अमरकंटक नगर परिषद और बिजली कंपनी द्वारा संयुक्त रूप से पूरे मामले की जांच कर यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि सार्वजनिक विद्युत खंभों का इस्तेमाल प्रचार के लिए किसकी अनुमति से किया जा रहा है। साथ ही, यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित व्यक्ति या संस्था के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई और निर्धारित शुल्क/जुर्माने की वसूली की जानी चाहिए।

अमरकंटक में चोरी की वारदातों से चिंता

छह घटनाओं में 1.35 लाख नकद और 7 मोबाइल चोरी

अमरकंटक। । दोपहर मेट्रो

धार्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। इसी दौरान अलग-अलग स्थानों पर चोरी की घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को कुल छह चोरी की घटनाएं सामने आईं, जिनमें करीब 1 लाख 35 हजार रुपये नकद, सात मोबाइल फोन तथा कुछ दोपहिया वाहनों की चाबियां चोरी होने की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि चोरी की घटनाएं रामघाट, गांधी कुंड सहित श्रद्धालुओं के स्नान वाले स्थानों के आसपास हुईं। सावन सोमवार के अवसर पर बड़ी संख्या में बाहर से श्रद्धालु अमरकंटक पहुंचे थे। भीड़ का फायदा उठाकर चोरों ने कथित तौर पर वारदातों को अंजाम दिया। श्रद्धालुओं का कहना है कि रामघाट, गांधी कुंड और अन्य स्नान स्थलों पर भीड़ के दौरान चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए पर्याप्त निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था की जरूरत है। नगर पालिका प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को ऐसे संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और भीड़ के समय अतिरिक्त सुरक्षा बल की व्यवस्था पर ध्यान देना चाहिए। सावन के पूरे महीने अमरकंटक में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की संभावना है। ऐसे में रामघाट, गांधी कुंड, नर्मदा कुंड एवं अन्य प्रमुख स्नान स्थलों पर पुलिस और नगर प्रशासन की संयुक्त निगरानी बढ़ाने, सीसीटीवी व्यवस्था मजबूत करने तथा चोरी की घटनाओं में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग उठ रही है।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम HITENDRA SINGH था जो कि मेरे पासपोर्ट में दर्ज है किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित होकर HITENDRA SINGH CHAUHAN हो गया है अतः अब मुझे मेरे इसी सही नाम HITENDRA SINGH CHAUHAN S/O JITENDRA SINGH से ही जाना व पहचाना जाए।

पता - C6/204, FORTUNE SIGNATURE, BAWADIA KALAN, TRILANGA, HUZUR, BHOPAL, M.P 462039

मेट्रो एंकर

हर जनपद पंचायत को तीन करोड़ रुपए तक के कार्य स्वीकृत होंगे

राजगढ़ में बनेंगी चकाचक 101 नई सड़कें, गांवों तक पहली बार पहुंचेगी रोड, आसान होगा सफर

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

जिले में बरसात आते ही जहां रास्ते दलदल बन जाते हैं और कई गांवों का संपर्क टूट जाता है, वहां अब 101 नई सुदूर सड़कें बनाने की तैयारी शुरू हो गई है। लेकिन सवाल यह भी है कि वर्षों से अधूरी पड़ी सड़को का इंतजार खत्म कब होगा? जिले के सैकड़ो ग्रामीणों के लिए सड़क आज भी विकास नहीं, बल्कि रोज की परेशानी का दूसरा नाम है। कहीं वर्षों से सड़क निर्माण अधूरा पड़ा है तो कहीं गांव से मुख्य सड़क तक पहुंचने के लिए बरसात में कीचड़ और गर्मी में धूल भरे कच्चे रास्तों से गुजरना मजबूरी है।

ऐसे में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की सुगम संपर्कता परियोजना ने ग्रामीणों को नई उम्मीद दी है। जिले में 101 सुगम सड़कों के निर्माण का लक्ष्य मिला है, जिनसे पहली बार कई मजरा-टोले और छोटे गांवों को बारहमासी सड़क संपर्क मिल सकेगा। नई योजना ऐसे समय आई है, जब जिले के कई हिस्सों में सड़क निर्माण की अधूरी परियोजनाएं और खराब संपर्क मार्ग ग्रामीणों की नाराजगी का कारण बने हुए है। कई गांवों में सड़कें शुरू तो हुई, लेकिन पूरी नहीं हो सकी। कई जगह सड़कें बनते ही उखड़ गई, जबकि अनेक मजरा-टोले आज भी पक्के रास्ते का इंतजार कर रहे हैं। योजना के तहत 100 से अधिक आबादी वाले मजरा टोलों, दूरस्थ बस्तियों और गांवों को मुख्य सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र और अन्य आवश्यक सेवाओं से जोड़ने के लिए ग्रेवल सड़कें बनाई जाएंगी। इन्हें इस तरह विकसित किया जाएगा कि भविष्य में बीटी या सीसी सड़क में बदला जा सके। जिले की छहो जनपद पंचायतों में कुल 101 सड़कें बनाई जाएंगी। प्रत्येक जनपद पंचायत को तीन करोड़ रुपए तक के कार्य स्वीकृत होंगे तथा एक सड़क की अधिकतम लागत 20 लाख रुपए निर्धारित की गई है।

पिछले निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर उठते रहे सवालों को देखते हुए इस बार सड़क निर्माण की निगरानी पूरी तरह तकनीक आधारित रहेगी। सड़क चयन सिप्री और रिम्स सॉफ्टवेयर से किया गया है। निर्माण सामग्री की लैब टेस्टिंग होगी, वरिष्ठ अधिकारी निरीक्षण करेंगे और ड्रोन से तीन चरणों में मॉनिटरिंग की जाएगी। निर्माण की फोटो और वीडियो ऑनलाइन अपलोड करना भी अनिवार्य रहेगा।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना शाहजहानाबाद भोपाल

क्रमांक/था.प्र./साह.चाह/भोपाल-मार्ग क्र. 26/2026 दिनांक 28/07/2026

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना शाहजहानाबाद भोपाल के मार्ग क्रमांक 26/2026 में अज्ञात मृतक उम करीबन 45 से 50 साल रंग सांवला चेहरा लम्बा आंखे सामान्य सीने व हाथ पर 4-4 मस्से है जो काले रंग का चड्डा पहन है जिस पर अंग्रेजी में NIKE लिखा है यदि इस अज्ञात मृतक के सम्बन्ध में किसी को कोई जानकारी हो या इसके वह परिचन हो तो थाना शाहजहानाबाद भोपाल में आकर संपर्क करे अथवा दूरभाष नं. 9479990579 जांचकर्ता उनि शेपनाथ सिंह मो.नं. 8770822547 पर तत्काल संपर्क करें।

थाना प्रभारी

जी-16628/26 थानों की सुरक्षा में सहयोग, अपराधों पर नियंत्रण रखे हर जन" थाना शाहजहानाबाद भोपाल

सीडब्ल्यूजी 2026 में भारत की चमक

लोकसभा में हुआ खिलाड़ियों का सम्मान, 39 पदकों के साथ दुनिया में लहराया तिरंगा

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित 23वें कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया। भारत ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य पदकों सहित कुल 39 पदक जीतकर पदक तालिका में चैथा स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि पर संसद के मानसून सत्र के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सभी पदक विजेताओं, उनके कोच और भारतीय दल को बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ियों की सफलता करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी।

प्रश्नकाल शुरू होने से पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों का नाम लेकर उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि अस्मिता डे, हर्ष सिंह, प्रीति पवार, जैस्मिन लेम्बोरिया, साक्षी चैधरी, प्रिया घंघास, अरुंधति चैधरी, सचिन सिवास, अंकुश पंघाल और सोमन राणा सहित कई खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया। वहीं नीरज चोपड़ा, लवलीना बोरगोहेन, नरेंद्र बेरवाल और अन्य खिलाड़ियों ने रजत पदक जीतकर भारत की झोली भरी, जबकि तेजस्विन शंकर, यशवीर सिंह, सेल्वा प्रभु, उन्नति शर्मा और गुलवीर सिंह ने कांस्य पदक हासिल किए।

महिला खिलाड़ियों ने दिखाई दमदार ताकत

ओम बिरला ने विशेष रूप से भारतीय महिला खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने 8 स्वर्ण सहित कुल 16 पदक जीतकर भारतीय खेलों की नई तस्वीर पेश की है। यह प्रदर्शन देश में महिला खेल प्रतिभाओं के बढ़ते आत्मविश्वास और मजबूत तैयारी का प्रमाण है।

कई खेलों में बना नया इतिहास

कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 भारत के लिए कई ऐतिहासिक उपलब्धियां लेकर आया। भारतीय जूडो खिलाड़ियों ने पहली बार दो स्वर्ण पदक जीतकर नया कीर्तिमान बनाया। मुक्केबाजी में भारतीय टीम ने पहली बार 7 स्वर्ण सहित कुल 10 पदक जीतकर अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। वहीं लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह एक ही कॉमनवेल्थ गेम्स में ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धाओं में दो पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने। उन्होंने 10 हजार मीटर दौड़ में रजत और 5 हजार मीटर में कांस्य पदक अपने नाम किया।

अहमदाबाद में सजेगा अगला महाकुंभ

लोकसभा अध्यक्ष ने बताया कि कॉमनवेल्थ गेम्स का अगला संस्करण भारत के अहमदाबाद में आयोजित होगा। समापन समारोह के दौरान आधिकारिक बैटन भारत को सौंप दिया गया है। ऐसे में अब देश के पास न सिर्फ सफल मेजबानी का अवसर होगा, बल्कि अपने खिलाड़ियों के दम पर और भी बेहतर प्रदर्शन करने का सुनहरा मौका भी रहेगा।

23 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होगा घरेलू क्रिकेट का बड़ा मुकाबला

दलीप ट्रॉफी में सितारों का महासंग्राम! रजत से तिलक वर्मा तक, मैदान पर उतरेंगे भारत के दिग्गज खिलाड़ी

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय घरेलू क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी 2026 के लिए पांचों जोन की टीमों का ऐलान कर दिया गया है। इस बार टूर्नामेंट में भारतीय क्रिकेट के कई बड़े चेहरे एक साथ मैदान पर नजर आएंगे। टी20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य तिलक वर्मा, ईशान किशन और अर्शदीप सिंह सहित कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अपनी-अपनी जोनल टीमों का प्रतिनिधित्व करेंगे। 23 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होने वाला यह टूर्नामेंट घरेलू क्रिकेट सत्र की शुरुआत करेगा। चयनकर्ताओं की नजर इस प्रतियोगिता पर रहेगी, क्योंकि यहां प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को आगामी अंतरराष्ट्रीय दौरों और भारत-ए टीम में जगह बनाने का मौका मिल सकता है।

आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को दूसरी बार खिताब दिलाने वाले कप्तान रजत पाटीदार को सेंट्रल जोन की कप्तानी सौंपी गई है। उनके साथ रिंकू सिंह उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे। वहीं, युवा प्रतिभा 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को ईस्ट जोन का उपकप्तान बनाया गया है। यह जिम्मेदारी उनके बढ़ते कद और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन को दर्शाती है। दलीप ट्रॉफी में इस बार कई मौजूदा और उभरते सितारे अपनी क्षमता दिखाने उतरेंगे। साउथ जोन की कप्तानी तिलक वर्मा करेंगे, जबकि नॉर्थ जोन की टीम में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह शामिल हैं। ईस्ट जोन की कमान ईशान किशन के हाथों में होगी। इस टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। वेस्ट जोन में ऋतुराज गायकवाड़ कप्तान होंगे, जबकि टीम में शार्दुल ठाकुर, सरफराज खान और पृथ्वी शॉ जैसे नाम शामिल हैं।

घरेलू क्रिकेट से निकलेंगे नए सितारे

दलीप ट्रॉफी हमेशा से भारतीय क्रिकेट को नए सितारे देने वाला टूर्नामेंट रहा है। इस बार भी युवा खिलाड़ियों के पास चयनकर्ताओं को प्रभावित करने का बड़ा अवसर होगा। वहीं, स्थापित खिलाड़ी अपनी जगह मजबूत करने और राष्ट्रीय टीम में वापसी का दावा पेश करने के इरादे से मैदान में उतरेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार, घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भारत-ए और फिर राष्ट्रीय टीम तक पहुंचने का रास्ता मिलता है। ऐसे में दलीप ट्रॉफी कई खिलाड़ियों के करियर के लिए अहम साबित हो सकती है।

बेंगलुरु में होगा पूरा टूर्नामेंट

दलीप ट्रॉफी 2026 के सभी मुकाबले बेंगलुरु में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 23 से 26 अगस्त तक होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबलों से होगी। पहले क्वार्टर फाइनल में ईस्ट जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन आमने-सामने होंगे, जबकि दूसरे मुकाबले में नॉर्थ जोन और वेस्ट जोन भिड़ेंगे। इसके बाद 30 अगस्त से 2 सितंबर तक सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 6 से 10 सितंबर तक खेला जाएगा। दलीप ट्रॉफी में इस बार अनुभव और युवा जोश का शानदार मिश्रण देखने को मिलेगा। जहां अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अपनी फॉर्म साबित करना चाहेंगे, वहीं युवा क्रिकेटर बड़े मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए पूरी ताकत लगाएंगे। भारतीय क्रिकेट के भविष्य के सितारों की तलाश में यह टूर्नामेंट एक बार फिर अहम भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

कन्हैया वधवान दलीप ट्रॉफी में करेंगे उत्तर क्षेत्र की कप्तानी, अर्शदीप सिंह भी टीम में शामिल

नई दिल्ली। भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को आगामी दलीप ट्रॉफी के लिए सोमवार को उत्तर क्षेत्र की टीम में शामिल किया गया, जबकि जम्मू-कश्मीर के विकेटकीपर बल्लेबाज कन्हैया वधवान को 15 सदस्यीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। टीम इंडिया के लिए सफेद गेंद के विशेषज्ञ अर्शदीप को 2025 के इंग्लैंड दौरे के दौरान टेस्ट टीम में शामिल किया गया था, लेकिन चोट और संयोजन से जुड़ी समस्याओं के कारण वह भारत के लिए लाल गेंद के प्रारूप में डेब्यू नहीं कर पाए थे। टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हरियाणा के अंशुल कंबोज को भी 23 अगस्त से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए नॉर्थ जोन की टीम में जगह मिली है। जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक रणजी ट्रॉफी जीत से उत्साहित चयनकर्ताओं ने चैंपियन टीम के छह खिलाड़ियों को इस टीम में जगह दी है। वधवान के अलावा इसमें ओपनर कमरान इकबाल, ऑलराउंडर अब्दुल समद, बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक, तेज गेंदबाज सुनील कुमार और तेज गेंदबाज युद्धवीर सिंह शामिल हैं। दिल्ली के आयुष बडोनी को उपकप्तान बनाया गया है, जबकि जम्मू-कश्मीर के अनुभवी कप्तान पारस डोगरा इस टूर्नामेंट के लिए नहीं चुना गया क्योंकि दलीप ट्रॉफी मुख्य रूप से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करने वाले खिलाड़ियों के लिए है।

एलएसजी की कप्तानी पर एडेन मार्करम ने तोड़ी चुप्पी, बोले-

फैसला टीम का होगा, मुझे कोई चिंता नहीं, कप्तानी की दौड़ में हैं सबसे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स के नए कप्तान को लेकर चर्चाएं तेज हैं। ऋषभ पंत के कप्तानी छोड़ने के बाद दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज एडेन मार्करम का नाम

सबसे मजबूत दावेदारों में लिया जा रहा है। हालांकि इन अटकलों के बीच मार्करम ने पहली बार अपनी प्रतिक्रिया देते हुए साफ कर दिया कि उनका पूरा ध्यान टीम और अपने प्रदर्शन पर है, न कि कप्तानी की दौड़ पर। क्रिकइंफो से बातचीत में मार्करम ने कहा कि उन्हें कप्तानी को लेकर चल रही चर्चाओं की कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, टीम प्रबंधन को जो सही लगे, वही फैसला करेगा। हमारी टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जिनमें नेतृत्व करने की क्षमता है। इसलिए मैं इस विषय को लेकर बिल्कुल भी चिंतित नहीं हूं। जिसे भी यह जिम्मेदारी मिलेगी, वह इसे अच्छी तरह निभाएगा। मार्करम ने यह भी स्वीकार किया कि उन्होंने फिलहाल कप्तानी को लेकर ज्यादा विचार नहीं किया है और उनकी प्राथमिकता सिर्फ मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है।

द हंड्रेड में कप्तानी का उठा रहे हैं जिम्मा

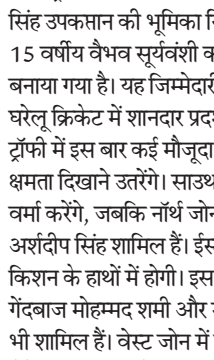

इन दिनों एडेन मार्करम इंग्लैंड में खेले जा रहे द हंड्रेड टूर्नामेंट में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की कप्तानी कर रहे हैं। यह फ्रेंचाइजी भी आरपी-संजीव गोयनका समूह की है, जो द्धक्क में लखनऊ सुपर जायंट्स का मालिक है। ऐसे में माना जा रहा है कि फ्रेंचाइजी मार्करम की नेतृत्व क्षमता को करीब से परख रही है। मार्करम ने कप्तानी के अनुभव को चुनौतीपूर्ण लेकिन यादगार बताया। उन्होंने कहा कि कप्तान बनने के साथ कई जिम्मेदारियां आती हैं, लेकिन वह इस भूमिका का पूरा आनंद ले रहे हैं।

राशिद खान ने पांच विकेट लेकर वर्ल्ड क्रिकेट में मचाया तहलका...

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनकी फिरकी का तोड़ ढूंढना आसान नहीं है। द हंड्रेड टूर्नामेंट में किआ ओवल में खेले गए मुकाबले में राशिद ने ऐतिहासिक गेंदबाजी करते हुए मैनचेस्टर सुपर जायंट्स के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। उनकी घातक गेंदबाजी की बदौलत एमआई लंदन ने 45 रन से शानदार जीत दर्ज की और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई।

टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी एमआई लंदन ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। सलामी बल्लेबाज विल जैक्स ने तेजतर्रार अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 31 गेंदों में 62 रन ठोक दिए। उनकी पारी ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। इसके बाद निकोलस पूरन ने भी विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 28 गेंदों में 54 रन बनाए। सैम करन के साथ उनकी तेज साझेदारी ने स्कोर को तेजी से आगे बढ़ाया। निर्धारित 100 गेंदों में एमआई लंदन ने 6 विकेट पर 183 रन बनाकर इस सीजन का अपना सर्वोच्च स्कोर खड़ा किया।

184 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मैनचेस्टर सुपर जायंट्स को कप्तान एडेन मार्करम ने शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने तेज बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 25 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। लेकिन जैसे ही कप्तान ने गेंद राशिद खान को सौंपी, मुकाबले की तस्वीर पूरी तरह बदल गई। राशिद ने पहले टिम साइफर्ट और जोस बटलर को आउट कर सुपर जायंट्स पर दबाव बनाया। राशिद खान ने इस मुकाबले में 17 रन देकर 5 विकेट चटकाए, जो द हंड्रेड में उनका पहला फाइव विकेट हॉल है। इसके साथ ही उन्होंने टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक बार पांच विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

अदिति शर्मा का गंभीर आरोप, पति और ससुराल वालों पर घरेलू हिंसा का केस दर्ज

मुंबई। टेलीविजन अभिनेत्री अदिति शर्मा ने अपने पति अभिनेता अभिनीत विद्यानंद कौशिक और ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों के खिलाफ घरेलू हिंसा, मानसिक प्रताड़ना और आभूषणों के कथित गबन का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के आधार पर गोरेगांव पुलिस ने 30 जुलाई 2026 को अभिनीत विद्यानंद कौशिक, उनकी मां उर्मिला कौशिक और बहन कीर्ति कौशिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एफआईआर के अनुसार अदिति शर्मा और अभिनीत पहले लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। बाद में दोनों ने गोरेगांव स्थित फ्लैट में विवाह किया। अभिनेत्री का आरोप है कि शादी के बाद उनके साथ लगातार शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न किया गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि उनके कीमती आभूषण और अन्य सामान भी कथित रूप से अपने कब्जे में ले लिए गए।

शिकायत के मुताबिक, यह घटनाएं 12 नवंबर 2024 से 9 मार्च 2025 के बीच गोरेगांव स्थित उनके घर में हुईं। अदिति ने पुलिस को उन आभूषणों और सामान की विस्तृत सूची भी सौंपी है, जिनके कथित गबन का आरोप लगाया गया है। गोरेगांव पुलिस ने अभिनेत्री की शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच एक नामित पुलिस निरीक्षक को सौंपी गई है और सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस साक्ष्य जुटाने और सभी पक्षों के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया में जुटी है।

टीवी इंडस्ट्री का जाना-पहचाना चेहरा हैं शर्मा

अदिति शर्मा ने मॉडलिंग और म्यूजिक वीडियो से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने टेलीविजन, फिल्मों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी पहचान बनाई। टीवी जगत में उन्हें खास लोकप्रियता कलीरें, ये जादू है जिन्न का और रब से है दुआ जैसे धारावाहिकों से मिली, जहां उनके अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा। टेलीविजन में आने से पहले अदिति हिंदी फिल्म लेडीज़ वर्सेस रिकी बहल में भी नजर आ चुकी हैं। वहीं पंजाबी फिल्म अंग्रेज में मुख्य भूमिका निभाकर उन्होंने क्षेत्रीय सिनेमा में भी अपनी मजबूत पहचान बनाई। अब निजी जीवन से जुड़ा यह मामला सामने आने के बाद अभिनेत्री एक बार फिर सुर्खियों में हैं।

सफलता के बाद भी नहीं बदले रोहित शेट्टी शगुन शर्मा ने बताए होस्ट के अनदेखे गुण

मुंबई। स्टंट रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 लगातार दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। शो में रोमांचक स्टंट के साथ-साथ प्रतियोगियों के अनुभव भी सुर्खियां बटोर रहे हैं। इसी बीच अभिनेत्री और कंटेस्टेंट शगुन शर्मा ने शो के होस्ट एवं फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के साथ काम करने का अनुभव साझा करते हुए उनकी जमकर तारीफ की। शगुन का कहना है कि रोहित शेट्टी जितने बड़े फिल्मकार हैं, उतने ही विनम्र और जमीन से जुड़े इंसान भी हैं।

शगुन शर्मा ने कहा कि खतरों के खिलाड़ी 15 उनके लिए सिर्फ एक रियलिटी शो नहीं, बल्कि सीखने का भी शानदार अनुभव रहा। उन्होंने बताया कि शो के दौरान उन्हें रोहित शेट्टी को करीब से जानने और उनके काम करने के तरीके को देखने का अवसर मिला। शगुन के मुताबिक, रोहित सिर्फ एक सफल निर्देशक या होस्ट नहीं हैं, बल्कि उनका व्यवहार, अनुशासन और काम के प्रति समर्पण हर किसी को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंचने के बाद भी रोहित ने अपनी सादगी और विनम्रता को कभी नहीं छोड़ा।

अभिनेत्री ने कहा कि इंडस्ट्री में वर्षों तक काम करने और लगातार सुपरहिट फिल्में देने के बावजूद रोहित शेट्टी में बिल्कुल भी घमंड नहीं है। वह हर व्यक्ति के साथ सम्मानपूर्वक पेश आते हैं और टीम के हर सदस्य को बराबर महत्व देते हैं। शगुन ने बताया कि रोहित हमेशा समय के पाबंद रहते हैं और सेट पर सकारात्मक माहौल बनाए रखते हैं। मुश्किल स्टंट के दौरान भी वह प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते रहे और हर चुनौती में उनका मनोबल मजबूत करते रहे।

मेट्रो बाजार

भारत, फ्रांस और अरब देशों के बीच व्यापार व निवेश को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली । देश के प्रमुख उद्योग संगठन एसोचैम ने भारत, फ्रांस और अरब देशों के बीच व्यापार, निवेश तथा कारोबारी सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिजनेस फ्रांस और भारत एवं अरब देशों के वाणिज्य, उद्योग एवं कृषि मंडल के साथ रणनीतिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इसकी घोषणा सोमवार को की गई। शीर्ष उद्योग संगठन ने बताया कि एसोचैम समझौता हस्ताक्षर समारोह के दौरान हुए इन समझौतों का उद्देश्य संस्थागत सहयोग, व्यापारिक आदान-प्रदान, निवेश को प्रोत्साहन, प्रौद्योगिकी साझेदारी तथा विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर बाजार पहुंच के माध्यम से भारत की वैश्विक आर्थिक साझेदारियों को और मजबूत बनाना है।

बिजनेस फ्रांस के साथ हुए समझौते के तहत दोनों संस्थाएं व्यापार और निवेश के अवसरों को बढ़ावा देने, प्रौद्योगिकी सहयोग और संयुक्त उद्यमों को प्रोत्साहित करने, व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों का समर्थन करने, बाजार संबंधी जानकारियों का आदान-प्रदान करने तथा व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों, सम्मेलनों और अन्य कारोबारी गतिविधियों का संयुक्त रूप से आयोजन करेंगी। इस अवसर पर एसोचैम के महासचिव सौरभ सान्याल ने कहा कि वैश्विक बाजारों के साथ भारत की बढ़ती भागीदारी व्यवसायों के लिए साझेदारी, निवेश और नवाचार के नए अवसर लेकर आई है। उन्होंने कहा, ÷बिजनेस फ्रांस और भारत एवं अरब देशों के वाणिज्य, उद्योग एवं कृषि मंडल के साथ हमारी ये साझेदारियां मजबूत संस्थागत संबंध स्थापित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

ईंधन की ऊंची कीमतों के बाद भी एयरलाइंस का जून में अंतरराष्ट्रीय ट्रैफिक रहा मजबूत: रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारतीय एयरलाइंस के लिए अंतरराष्ट्रीय ट्रैफिक मासिक आधार पर जून में बढ़ा है। साथ ही, घरेलू पैसेंजर लोड फैक्टर भी मजबूत रहा है। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म इक्रिस ने कहा कि सीजन के दौरान अधिक ट्रैफिक के बाद घरेलू ट्रैफिक में थोड़ी कमी आई, लेकिन पैसेंजर लोड फैक्टर अच्छे बने रहे, जो सेक्टर में मजबूत मांग और क्षमता के सही इस्तेमाल को दिखाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होकर लगभग 95.4 पर आ गया, जिससे एयरक्राफ्ट लीजिंग, मेंटेनेंस और डॉलर में होने वाले अन्य ऑपरेटिंग खर्च बढ़ गए।

इस दौरान घरेलू एविएशन की मांग मजबूत बनी रही। जून 2026 में घरेलू पैसेंजर ट्रैफिक लगभग 13.5 मिलियन रहा, जो साल-दर-साल 1 प्रतिशत और महीने-दर-महीने 12 प्रतिशत कम है। यह गर्मियों में यात्रा के पीक सीजन के बाद आई मौसमी कमी को दिखाता है। रेवेन्यू पैसेंजर किलोमीटर सालाना आधार पर लगभग 13.3 बिलियन पर स्थिर रहे, जबकि एयरलाइंस द्वारा क्षमता कम करने के कारण अवेलेबल सीट किलोमीटर में सालाना आधार पर 2 प्रतिशत की कमी आई। पैसेंजर लोड फैक्टर (पीएलएफ) 85.7 प्रतिशत पर अच्छा बना रहा और इसमें सालाना आधार पर 118 आधार अंक का सुधार हुआ। इससे पता चलता है कि यात्रियों की संख्या कम होने के बावजूद एयरलाइंस ने विमानों का कुशल इस्तेमाल जारी रखा। जून के दौरान भारतीय एयरलाइंस से विदेश जाने वाले यात्रियों की संख्या लगभग 2.4 मिलियन रही, जो मई की तुलना में 4 प्रतिशत अधिक थी, हालांकि यह पिछले साल के स्तर से कम ही रही।

वेलियानाडु...केरलम की हरियाली और शांति से भरी खूबसूरत धरती

केरलम के अलप्पुझा जिले का वेलियानाडु प्रकृति प्रेमियों के लिए एक मनमोहक जगह है। यहां की हरी-भरी धान की खेती, शांत जलधाराएं, नारियल के पेड़ों की कतारें और गांवों का प्राकृतिक सौंदर्य केरल की असली पहचान को दर्शाते हैं। वेलियानाडु का वातावरण शहरों की भागदौड़ से दूर सुकून और शांति का अनुभव कराता है। यहां के बैकवाटर, हरियाली से घिरे रास्ते और पारंपरिक ग्रामीण जीवन पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। मानसून के मौसम में यह क्षेत्र और भी खूबसूरत हो जाता है, जब चारों ओर हरियाली की चादर बिछ जाती है। अलप्पुझा अपने प्रसिद्ध बैकवाटर और हाउसबोट पर्यटन के लिए दुनिया भर में जाना जाता है, वहीं वेलियानाडु इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और ग्रामीण संस्कृति की एक शांत झलक पेश करता है। यह स्थान उन लोगों के लिए खास है, जो प्रकृति के करीब रहकर शांति और सुकून महसूस करना चाहते हैं।

अज्ञात हमलावरों की कार्रवाई से दहशत में आया आतंकी नेटवर्क

कमांडर के बयान से मचा हड़कंप, लश्कर के 30 से ज्यादा आतंकियों की मौत का दावा

नई दिल्ली. एजेंसी

पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक वरिष्ठ कमांडर रिजवान हनीफ ने दावा किया है कि पिछले तीन से चार वर्षों में संगठन से जुड़े 30 से अधिक आतंकियों की अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी। हालांकि उसने इन घटनाओं के पीछे भारतीय खुफिया एजेंसियों का हाथ होने का आरोप लगाया, लेकिन अपने दावों के समर्थन में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया। भारत सरकार पहले भी इस तरह के आरोपों को खारिज करती रही है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में पीओके में सक्रिय लश्कर कमांडर रिजवान हनीफ कई आतंकियों की मौत का जिक्र करता दिखाई दे रहा है। उसने दावा किया कि कराची, पेशावर, रावलपिंडी और मुजफ्फराबाद जैसे इलाकों में ऐसी घटनाएं हुईं। इन हत्याओं में लश्कर के कई प्रमुख आतंकियों के नाम सामने आए हैं। इनमें अबू सैफुल्लाह उर्फ रजाउल्लाह निजामानी भी शामिल है, जो आरएसएस मुख्यालय हमले का आरोपी बताया जाता था। उसकी सिंध में अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी थी। लश्कर-ए-तैयबा लंबे समय से भारत विरोधी आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है। भारत, अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र समेत कई देशों ने इसे आतंकी संगठन घोषित किया है। संगठन की स्थापना 1980 के दशक के आखिर में पाकिस्तान में हुई थी और बाद में इसका फोकस जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों पर केंद्रित हो गया।

वायरल वीडियो में कमांडर का दावा

लश्कर-ए-तैयबा के वरिष्ठ कमांडर रिजवान हनीफ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें वह संगठन से जुड़े आतंकियों की मौत का दावा करता नजर आ रहा है। हनीफ के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में 30 से ज्यादा लश्कर आतंकियों को अज्ञात हमलावरों ने निशाना बनाया। उसने इन घटनाओं के पीछे भारतीय एजेंसियों का हाथ होने का आरोप लगाया, लेकिन कोई प्रमाण नहीं दिया। विशेषज्ञों के अनुसार, आतंकी संगठन अक्सर अपने समर्थकों में भय या सहानुभूति पैदा करने के लिए इस तरह के दावे करते रहे हैं। भारत सरकार ने ऐसे आरोपों को पहले भी निराधार बताया है।

कई बड़े आतंकियों हुई हत्या

पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों द्वारा मारे गए आतंकियों में लश्कर का अबू सैफुल्लाह उर्फ रजाउल्लाह निजामानी भी शामिल बताया जाता है। वह 2006 में आरएसएस मुख्यालय पर हुए हमले का आरोपी था। इसके अलावा कई अन्य आतंकी भी अलग-अलग घटनाओं में मारे गए हैं। इन घटनाओं ने पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी संगठनों के भीतर चिंता बढ़ाई है। हालांकि इन हत्याओं के पीछे कौन लोग हैं, इसे लेकर आधिकारिक रूप से कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। सुरक्षा एजेंसियां लगातार आतंकी नेटवर्क और उनकी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं।

भारत ने आरोपों को किया खारिज

लश्कर कमांडर रिजवान हनीफ द्वारा लगाए गए आरोपों पर भारत पहले भी अपना रुख स्पष्ट कर चुका है। भारतीय अधिकारियों का कहना है कि पाकिस्तान अक्सर बिना सबूत ऐसे आरोप लगाता रहा है। हनीफ ने भी अपने दावों को साबित करने के लिए कोई प्रमाण नहीं दिया है। सुरक्षा मामलों के जानकारों के अनुसार, आतंकी संगठनों की ओर से दिए जाने वाले ऐसे बयान उनकी आंतरिक स्थिति और दबाव को भी दर्शाते हैं।

नाबालिग के साथ रेप और हत्या के मामले में तीन गिरफ्तार

दिसपुर. एजेंसी। असम में एक 15 साल की लड़की की रेप के बाद हत्या कर दी गई। हत्या का आरोप तीन लोगों पर है, जिसमें से एक नाबालिग है। मामला असम के हैलाकांडी जिले का है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि लड़की इन आरोपियों में से एक के साथ रिश्ते में थी। बता दें कि लड़की राष्ट्रीय राजमार्ग-6 के पास अपने घर में मृत पाई गई थी। परिवार ने आरोप लगाया कि उसके साथ रेप किया गया और फिर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले में रविवार को 5 युवकों को हिरासत में लिया था। लेकिन सोमवार को 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनकी उम्र 17 से 19 साल के बीच है।

पंजाब में आईएसआई से जुड़े आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 9 गिरफ्तार

पेट्रोल बम बरामद, विदेशी हैंडलरों से था संपर्क

अमृतसर. एजेंसी

अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के समर्थन से संचालित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में 4 नाबालिगों समेत कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 3 अवैध पिस्तौल, 9 जिंदा कारतूस और पेट्रोल से भरी 4 बोतलें, जिन्हें बम के रूप में इस्तेमाल किया जाना था बरामद की गई हैं।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी विदेश में बैठे आईएसआई हैंडलरों के संपर्क में थे और उनके निर्देश पर काम कर रहे थे। पुलिस के अनुसार इन युवकों को आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार किया जा रहा था। उन्हें सुरक्षा प्रतिष्ठानों की रेकी करने, अवैध हथियार जुटाने और पंजाब में शांति एवं कानून व्यवस्था को प्रभावित करने जैसे कार्य सौंपे गए थे। जांच के दौरान एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस को पता चला कि आरोपियों ने रेलवे ट्रैक के पास निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए थे। इन कैमरों से रिकॉर्ड की गई फुटेज कथित तौर पर विदेशी आईएसआई हैंडलरों को भेजी जा रही थी, ताकि संवेदनशील गतिविधियों पर नजर रखी जा सके।

नेटवर्क के अन्य सदस्यों की की जा रही पहचान

अमृतसर के मोहकमपुरा, एयरपोर्ट और सी-डिवीजन थाना में अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। पुलिस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि नेटवर्क के अन्य सदस्यों की पहचान की जा रही है। साथ ही इसके आगे और पीछे जुड़े संपर्कों, फंडिंग के स्रोत व विदेश से मिलने वाली आर्थिक मदद की भी जांच की जा रही है।

बारिश बनी काल: कुरुक्षेत्र में मकान का लेंटर गिरा, मलबे में दबकर पति-पत्नी की हुई मौत

कुरुक्षेत्र. एजेंसी

हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के लाडवा क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश एक परिवार पर कहर बनकर टूटी। गांव बडोंदी में बारिश के कारण मकान का लेंटर गिरने से पति-पत्नी की मलबे में दबकर मौत हो गई। हादसे का पता मंगलवार सुबह उस समय चला, जब उनका बेटा रोजाना की तरह चाय लेकर कमरे में पहुंचा।

बेटे ने कमरे का दरवाजा खोला तो सामने का दृश्य देखकर उसके होश उड़ गए। पूरा लेंटर जमीन पर गिर चुका था और उसके माता-पिता मलबे के नीचे दबे हुए थे। उसकी चीख सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और

तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। ग्रामीणों ने हथौड़े और कटर की मदद से कंक्रीट के लेंटर को काटकर करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी।

मृतकों की पहचान करनैल सिंह (50) और उनकी पत्नी जसविंद्र कौर (45) के रूप में हुई है। दोनों खेती की जमीन ठेके पर लेकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके तीन बच्चे हैं, जिनमें एक बेटा और दो बेटियां शामिल हैं। माता-पिता की एक साथ मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसा लगातार बारिश के कारण हुआ। जिस कमरे में दंपति सो रहे थे, उसकी पिछली दीवार खेत की ओर थी। बारिश के कारण मिट्टी कमजोर हो गई और दीवार धंस गई। दीवार गिरने के साथ ही करीब 15 बाय 15 फुट का पूरा लेंटर भी भरभराकर नीचे आ गया।

असम: सीआरपीएफ अधिकारी ने 2 साथियों को मार दी गोली फिर कर लिया सुसाइड

दिसपुर. एजेंसी। असम के नागांव जिले में एक सीआरपीएफ अधिकारी ने अपने ही दो साथियों की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने एक अन्य को घायल कर दिया और फिर आत्महत्या कर ली। घटना नागांव के कटिमारी स्थित 34 बटालियन कैंप की है। नागांव की डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस परिमिता सरकार ने बताया कि ड्यूटी पर तैनात बल्लानी प्रेमाबारम ने अपने साथियों पर गोली चला दी। इसके बाद अधिकारी ने खुद को गोली मार ली और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। अधिकारी के गोली चलाने से दो जवानों में विष्णु प्रसाद बघेल और रामनवल सिंह यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य जवान गोविंद श्रीपुल घायल हो गए। गोविंद श्रीपुल को तुरंत एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस अफसर घटना की जांच की जांच कर रहे हैं।

जमशेदपुर : मौत के बाद भड़का आक्रोश

नशाखोरी के खिलाफ आवाज उठाने पर शांति समिति के सदस्य की गोली मारकर हत्या

जमशेदपुर. एजेंसी

नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ आवाज उठाना जमशेदपुर के बर्मामाइंस क्षेत्र निवासी और शांति समिति सदस्य आफताब आलम को भारी पड़ गया। रविवार रात अपराधियों की गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल हुए आफताब आलम ने मंगलवार सुबह कोलकाता के फोर्टिस अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उनकी मौत की खबर मिलते ही इलाके में शोक और आक्रोश फैल गया।

घटना के विरोध में गुस्साए स्थानीय लोगों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया और कई स्थानों पर टायर जलाकर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही अंतिम संस्कार किया जाएगा। तनाव को देखते हुए क्षेत्र में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस के अनुसार, रविवार रात करीब 8:55 बजे रेलवे कंटेनर यार्ड के पास बाइक सवार अपराधियों ने आफताब आलम पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी। हमले में उनके शरीर में सात गोलियां लगी थीं। गंभीर हालत में उन्हें पहले टाटा मेन हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए कोलकाता रेफर किया गया था। आफताब की पत्नी सलमा कादरी के बयान पर पुलिस ने शहवाज उर्फ भोंदू, मो. रेहान, अयान, उदय महतो, इमरान समेत कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। अब उनकी मौत के बाद केस में हत्या की धारा जोड़े जाने की संभावना है। परिजनों का आरोप है कि आफताब लंबे समय से इलाके में नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान चला रहे थे और युवाओं को नशे से दूर रखने की पहल कर रहे थे। इसी कारण उन्हें लगातार धमकियां मिल रही थीं।

मेट्रो एंकर

रेप केस की सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस

'लज्जा भंग' या 'बेबस महिला' जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर रोक

नई दिल्ली. एजेंसी

यौन अपराधों से जुड़े मामलों की सुनवाई और फैसला लिखने के तरीके में संवेदनशीलता लाने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने नई गाइडलाइंस जारी की हैं। कोर्ट ने कहा है कि न्यायिक फैसलों में ऐसी भाषा से बचना चाहिए, जो पीड़िता को दोषी ठहराने या उसकी गरिमा को प्रभावित करने वाली हो।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट में जजों को 'प्रोसिक्यूट्रिक्स', 'बेबस महिला', 'लज्जा भंग', 'पवित्रता खो दी' जैसे शब्दों के इस्तेमाल से बचने की सलाह दी गई है। इसके स्थान पर पीड़ित, सर्वाइवर, शिकायतकर्ता, शारीरिक स्वायत्तता और यौन हमला जैसे तटस्थ शब्दों के उपयोग पर जोर दिया गया है। यह रिपोर्ट जस्टिस अनिरुद्ध बोस की अध्यक्षता वाली समिति ने तैयार की है। समिति ने देशभर की ट्रायल कोर्ट के 125 फैसलों का अध्ययन करने के बाद पाया कि कई मामलों में इस्तेमाल की गई भाषा पीड़ितों को दोबारा मानसिक आघात पहुंचा सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अदालतों को पीड़ितों के कपड़ों, व्यवहार, देरी से शिकायत करने या शारीरिक विरोध नहीं करने जैसी बातों के आधार पर नकारात्मक निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए। चोट का न होना या शिकायत में देरी का मतलब सहमति नहीं माना जा सकता, क्योंकि हर व्यक्ति सदमे की स्थिति में अलग तरह से प्रतिक्रिया देता है। सुप्रीम कोर्ट ने जजों से यह भी कहा है कि वे सुनवाई के दौरान अपमानजनक या अनावश्यक सवालों को रोकें। पीड़ितों को सम्मानजनक माहौल, कानूनी सहायता, काउंसलिंग और सुरक्षा उपलब्ध कराना न्याय व्यवस्था की जिम्मेदारी है। यह गाइडलाइन उस मामले के बाद सामने आई है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराधों और कमजोर वर्गों से जुड़े मामलों में न्यायिक संवेदनशीलता बढ़ाने की जरूरत बताई थी।

फैसलों में बदलेगी भाषा, अब केंद्र में होगा पीड़ित का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट की रिपोर्ट में कहा गया है कि न्यायिक भाषा समाज की सोच को प्रभावित करती है, इसलिए फैसलों में ऐसे शब्दों से बचना जरूरी है जो महिलाओं की पहचान को उनकी यौन पवित्रता या सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ते हैं। समिति ने 'बेचारी नाबालिग लड़की', 'हवस से प्रेरित' और 'जिंदगी तबाह करना' जैसे वाक्यांशों के इस्तेमाल से भी बचने की सलाह दी है। रिपोर्ट के अनुसार, यौन अपराधों को केवल इच्छा या आवेग से जोड़कर देखने के बजाय इसे कानून के तहत अपराध, हिंसा और अधिकारों के उल्लंघन के रूप में समझना चाहिए। जजों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सुनवाई के दौरान पीड़ितों को सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल उपलब्ध कराएं। कोर्टरूम में गैरजरूरी लोगों की मौजूदगी रोकने, बंद कमरे में सुनवाई और गवाह सुरक्षा जैसे उपायों पर भी जोर दिया गया है। समिति ने स्पष्ट किया है कि न्याय का उद्देश्य पीड़ित को दोबारा पीड़ा देना नहीं, बल्कि उसे गरिमा और निष्पक्षता के साथ न्याय दिलाना है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564